मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 120
गुरुवार, 12 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

कुलगाम में बड़ा आतंकी हमलाः मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने सीआरपीएफ चेकपोस्ट पर की अंधाधुंध फायरिंग, तीन जवान घायल

जम्मू, 11 नवम्बर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच एक बार फिर तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई है। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर एक कायराना आतंकी हमला किया गया है। मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए अज्ञात आतंकवादियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के एक सुरक्षा चेकपोस्ट पर अचानक ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इस भीषण हमले में CRPF के तीन जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना के तुरंत बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है और हमलावरों की धरपकड़ के लिए सेना, सीआरपीएफ तथा स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से एक व्यापक तलाशी अभियान (Search Operation) शुरू कर दिया है।

प्राप्त शुरूआती जानकारी के मुताबिक, यह आतंकी वारदात कुलगाम जिले के एक संवेदनशील इलाके में उस वक्त हुई जब सीआरपीएफ के जवान अपनी नियमित ड्यूटी पर तैनात थे। हमलावर घात लगाए बैठे थे और वे एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए थे।घटना का तरीकाः आतंकवादियों ने चेकपोस्ट पर पहुंचते ही सुरक्षाबलों को संभलने का मौका दिए बिना अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।मौके से फरारः गोलीबारी को अंजाम देने के बाद हमलावर अंधेरे और स्थानीय भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाकर तुरंत मौके से फरार होने में कामयाब हो गए।स्थानः यह पूरा घटनाक्रम मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग (Nationsl Highway - NH) से लगभग 4 किलोमीटर की दूरी के भीतर हुआ, जिसके बाद आसपास के सभी



थानों और चौकियों को तुरंत सतर्क कर दिया गया। इस अचानक हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। हमले की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी तुरंत अतिरिक्त बल के साथ मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को फौरन नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों के अनुसार, घायल तीनों जवानों को सर्वोत्तम संभव मेडिकल सहायता प्रदान की जा रही है। दो जवानों को शुरूआती झटकों और मामूली चोटों के बाद स्थिर बताया जा रहा है, जबकि तीसरे जवान की स्थिति थोड़ी गंभीर बनी हुई है, जिन पर डॉक्टरों की विशेष टीम लगातार नजर बनाए हुए है।घटना के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 'कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन' (CASO) शुरू कर दिया।सुरक्षाबलों की तैनातीः कुलगाम और आसपास के सभी संपर्क मार्गों को सील कर दिया गया है। आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच की जा रही है।ड्रोन और आधुनिक तकनीक की मददः आतंकवादियों के भागने के संभावित रास्तों का पता लगाने के लिए सुरक्षाबलों ने ड्रोन कैमरों और नाइट विजन उपकरणों की मदद लेनी शुरू कर दी है।खुफिया तंत्र सक्रियः सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि इस हमले के पीछे किस आतंकी संगठन का हाथ है और क्या यह किसी बड़े स्थानीय स्लीपर सेल की साजिश थी।घाटी में हालिया समय में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए जा रहे सफल आतंकवाद-विरोधी अभियानों से बौखलाए आतंकवादी अक्सर ऐसे छिटपुट और कायरतापूर्ण हमलों (Hit and Run attacks) का सहारा लेते हैं ताकि अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकें।

पिता को मिली दादा की संपत्ति पर पोते का अधिकार है या नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। दादा की संपत्ति पर पोते का दावा कितना जायज है, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ- साफ कहा कि पिता खुद को विरासत में मिली संपत्ति से अपने बेटे को बाहर रख सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने ताजा फैसले में बताया कि कोई व्यक्ति अपने पिता की पैतृक या स्वयं अर्जित संपत्ति में अपने हिस्से का पूर्ण मालिक बन जाता है और वह उस पर पूरी तरह से अपना अधिकार जता सकता है। इसके बाद पोते से जुड़ी अपनी अहम टिप्पणी में कहा कि यहां तक कि वो (पिता) अपने बेटों को भी इससे बाहर रख सकता है।

29 साल तक चली कानूनी लड़ाई को खत्म करते हुए, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की बेंच ने पिता की



संपत्ति के बंटवारे के लिए बेटे की याचिका को खारिज कर दिया। बेटे ने 1997 में यह मुकदमा दायर किया था, जिसमें दावा किया गया था कि यह संपत्ति पैतृक या संयुक्त परिवार की संपत्ति है।

कोर्ट ने बताया कि 'हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम' के तहत पोते को 'क्लास-1' उत्तराधिकारी नहीं माना जाता है। इसलिए वह अपने दादा की संपत्ति में हिस्से का दावा नहीं कर सकता। धारा आठ का हवाला देते हुए बेंच ने कहा कि एक बेटा अपने पिता से विरासत में मिली संपत्ति का पूर्ण मालिक बन जाता है, जबकि उसके अपने बेटे का उस संपत्ति पर जन्म से कोई अधिकार नहीं होता।

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि 'क्लास क' के उत्तराधिकारी एक साथ संपत्ति के हकदार बनते हैं। हालांकि इनके रहते अन्य किसी को अधिकार नहीं मिलता। कोर्ट ने कहा कि अनुसूची के 'क्लास क' में पोते (बेटे के बेटे) का उत्तराधिकारी के रूप में कोई जिक्र नहीं है। इस वजह से उसे अपने दादा की संपत्ति में कोई अधिकार नहीं मिल सकता।

कोर्ट ने बताया कि 1956 के कानून में, हिंदू पर्सनल लॉ के तहत पोते को अपने पिता के जीवित रहते हुए दादा की संपत्ति में हिस्सा मांगने का अधिकार नहीं दिया गया है। कोर्ट ने कहा कि धारा 8 को एक स्वतंत्र प्रावधान के रूप में पढ़ा जाना चाहिए, जो बिना वसीयत के मरने वाले हिंदू पुरुष की संपत्ति के हस्तांतरण को नियंत्रित करता है।

सोनिया गांधी के दावों पर अन्ना हजारे का पलटवार, बोले- भाजपा और संघ से मेरा कोई संबंध नहीं

नई दिल्ली, 11 नवम्बर। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने बुधवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। सोनिया गांधी ने दावा किया था कि साल 2011-2012 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस का गुप्त समर्थन मिला था, जिसका मकसद तत्कालीन कांग्रेस नीत यूपीए सरकार को गिराना था। इन आरोपों को गलत बताते हुए अन्ना हजारे ने साफ कहा कि उनका भाजपा या संघ से कोई वास्ता नहीं है और वे कभी उनके किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए हैं।

सोनिया गांधी की नई किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' में किए गए दावों पर जवाब देते हुए अन्ना हजारे ने कहा, ₹यह बात बिल्कुल गलत है। मेरा भाजपा या



आरएसएस से कोई संबंध नहीं है। मैं कभी उनके कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं लेता। मेरा देश ही मेरी पहली प्राथमिकता है। अन्ना हजारे ने अपनी बात रखते हुए कहा, मैं जो कुछ भी करता हूं, वह अपने समाज और देश के लिए करता हूं। मेरा किसी भी राजनीतिक दल से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस सरकार के पतन के दावे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, इस बात का क्या आधार है कि मनमोहन सिंह की सरकार मेरे आंदोलन की वजह से 2014 के चुनाव हारी? न तो उन्होंने कभी अन्ना हजारे को देखा है और न ही मैंने उन्हें देखा है। बिना एक-दूसरे को जाने-समझे ऐसी बातें कहना कहां तक सही है? किसी भी जिम्मेदार व्यक्ति को जिम्मेदारी से ही अपनी बात रखनी चाहिए। बिना सिर-पैर की बातें करना ठीक नहीं है, इससे बोलने वाले की अपनी छवि खराब होती है। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में लिखा है कि अन्ना हजारे के नेतृत्व वाले 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' आंदोलन को भाजपा और आरएसएस ने पर्दे के पीछे से तैयार किया था और मदद दी थी। किताब के एक अंश के अनुसार, साल 2012 में महाराष्ट्र के जाने-माने कार्यकर्ता बाबूराव 'अन्ना' हजारे 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' आंदोलन का मुख्य चेहरा बने।

नई व्यवस्थाः अब शाम को भी लगेंगी अदालतें, लंबित मुकदमों के निस्तारण के लिए इवनिंग कोर्ट शुरू करेगी सरकार

देवरिया, 11 नवम्बर। देश की अदालतों में लंबित करोड़ों मुकदमों के जल्द निस्तारण के लिए केंद्र सरकार नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत नियमित अदालती कार्यवाही के बाद शाम को भी तीन से चार घंटे अदालतें चलाने की योजना है। शुरूआत में इवनिंग कोर्ट का पायलट प्रोजेक्ट लागू किया जाएगा। इसके अलावा सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की सेवाएं लेने और दशकों से लंबित मुकदमों की पहचान कर उनकी प्राथमिकता से सुनवाई कराने की भी तैयारी है। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को देवरिया में पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की न्यायिक व्यवस्था के सामने लंबित मुकदमों का बोझ बड़ी चुनौती है। सुप्रीम कोर्ट में 96 हजार से अधिक, देश के 25 हाईकोर्ट में करीब 70 लाख और जिला व अधीनस्थ अदालतों में लगभग चार करोड़ 30 लाख मामले लंबित हैं। मुकदमों के लंबे समय तक चलने से आम लोगों को समय पर न्याय मिलने में परेशानी होती है। सरकार इस समस्या के समाधान के लिए नए विकल्पों पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि पहली बार लंबित मुकदमों का एजिंग एनालिसिस कराने की पहल की जा रही है। इसके तहत यह पता लगाया जाएगा कि कौन सा मामला कितने वर्षों से अदालत में लंबित है। 20, 30 और यहां तक कि 40 साल पुराने मुकदमों को चिह्नित कर उनकी प्राथमिकता से सुनवाई कराने का प्रयास होगा। ऐसे मामलों को कॉज



लिस्ट में प्राथमिकता दिलाई जाएगी। कई मुकदमों में स्थिति यह है कि गवाहों की मृत्यु हो चुकी है, लेकिन सुनवाई अब तक जारी है। चेक बाउंस से जुड़े मामलों की संख्या भी काफी अधिक है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि लंबित मामलों के निस्तारण के लिए इवनिंग कोर्ट की व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है। इसके तहत नियमित अदालतों का कामकाज समाप्त होने के बाद शाम को तीन से चार घंटे अतिरिक्त सुनवाई होगी। शुरूआत में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसे लागू कर इसकी उपयोगिता परखी जाएगी। उन्होंने स्वीकार किया कि इस व्यवस्था को लेकर कुछ अधिवक्ताओं की ओर से विरोध भी सामने आया है। हालांकि, इससे नए अधिवक्ताओं को भी काम करने का अवसर मिल सकता है। मेघवाल ने कहा कि लंबित मुकदमों का बोझ कम करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की सेवाएं लेने पर भी काम किया जा रहा है। संविधान में इसके लिए प्रावधान मौजूद हैं। पुराने मुकदमों की पहचान, अतिरिक्त अदालतों की व्यवस्था और तकनीक के इस्तेमाल से न्यायिक प्रक्रिया को तेज करने का प्रयास किया जाएगा। न्यायिक व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नई तकनीक न्यायपालिका में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भाषाई अनुवाद के लिए एआई आधारित टूल का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि सुप्रीम कोर्ट में अंग्रेजी में सुनाए गए फैसले का तमिल जैसी क्षेत्रीय भाषाओं में तत्काल अनुवाद किया जा सकता है।

मौजूदा विदेश नीति में नैतिकता और दूरदृष्टि का अभावः सलमान खुर्शीद

हैदराबाद। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने बुधवार को कहा कि पार्टी को भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की विदेश नीति से कुछ स्पष्ट असहमतियां हैं और आरोप लगाया कि उसमें नैतिकता, मूल्यों और दूरदृष्टि का अभाव है। कांग्रेस के विदेश मामलों के विभाग प्रमुख खुर्शीद ने कहा कि 13 और 14 नवंबर को हैदराबाद में आयोजित होने वाले भारत समिट का उद्देश्य वैश्विक संबंधों को लेकर पार्टी के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करना है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, बेशक, हाल के वर्षों में मौजूदा सरकार ने जिस विदेश नीति को आगे बढ़ाया है, उसे लेकर हमारी अपनी कुछ बेहद स्पष्ट असहमतियां हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की विदेश नीति संबंधी सोच गुटनिरपेक्षता के उस विचार में गहराई से निहित है, जिसे महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने हमें और दुनिया को दिया। उन्होंने कहा, समावेशिता और प्रगति, विकास तथा मानव गरिमा का व्यापक दृष्टिकोण हमारी विदेश नीति का हिस्सा है। नैतिकता, मूल्य और दूरदृष्टि हमारी विदेश नीति के महत्वपूर्ण अंग रहे हैं और हमें लगता है कि अब इनका अभाव है। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। खुर्शीद ने कहा कि कांग्रेस ऐसे समय में इस आयोजन की मेजबानी करने के लिए उपयुक्त स्थिति में है, जब धुर दक्षिणपंथी विचारधारा, जिसका पार्टी विरोध करती है, और उदारवादी दुनिया के बीच सीधा टकराव चल रहा है। उन्होंने कहा कि उदारवादी दुनिया का प्रतिनिधित्व दुनियाभर के प्रगतिशील आंदोलनों और राजनीतिक दलों द्वारा किया जाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन एक स्थायी आयोजन बन जाएगा।

अंडमान सहकारी बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने 121 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

अंडमान निकोबार, 11 नवम्बर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में 500 करोड़ रुपये के कथित सहकारी बैंक धोखाधड़ी मामले में क्रोएशिया से आयात किए गए दो अर्ध-पनडुब्बी पर्यटन जहाज, एक होटल, कुछ भूखंड और बैंक जमा राशि धनशोधन रोधी कानून के तहत कुर्क की है, जिनकी कुल कीमत 121 करोड़ रुपये से अधिक है। ईडी अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई करने वाली पोर्ट ब्लेयर स्थित विशेष अदालत के समक्ष मामले के सिलसिले में छह नवंबर को एक नयी अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) भी दायर की गई। ईडी ने एक बयान में बताया कि



पांच नवंबर को पीएमएलए के तहत जारी एक अंतरिम आदेश के आधार पर 35 अचल और पांच चल संपत्तियों को कुर्क किया गया है, जिनका कुल मूल्य 121.35 करोड़ रुपये है। अंडमान एवं निकोबार राज्य सहकारी बैंक (एएनएससीबीएल) से जुड़े मामले के मुख्य आरोपियों में पूर्व स्थानीय सांसद और कांग्रेस नेता कुलदीप राय शर्मा शामिल हैं। वह एएनएससीबीएल के उपाध्यक्ष रह चुके हैं। ईडी ने अंडमान एवं निकोबार पुलिस के अपराध एवं आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की ओर से दर्ज प्राथमिकी पर आधारित इस मामले में शर्मा को गिरफ्तार किया था और उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। ईडी ने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियों में अंडमान स्थित जॉय ग्रैंड होटल की जमीन और इमारत तथा क्रोएशिया से लगभग 2.11 करोड़ रुपये में मंगवाए गए दो अर्ध-पनडुब्बी पर्यटन जहाज शामिल हैं, जो अंडमान एस्केपेड्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर पंजीकृत हैं। केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया, हालांकि, जांच से पता चला कि ये जहाज असल में कुलदीप राय शर्मा के लिए खरीदे गए थे। इसके लिए हेडे हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक फर्जी कंपनी के नाम पर लिए गए ऋण की रकम का इस्तेमाल किया गया था।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध



TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373



पन्नू प्रकरण में समन से संप्रभुता तक उठे गंभीर सवाल



-ललित गर्ग

अमेरिकी अदालत द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के दीवानी मुकदमे के सिलसिले में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल तथा अन्य भारतीय अधिकारियों को समन जारी करने की प्रक्रिया ने भारत-अमेरिका संबंधों के सामने एक गंभीर कूटनीतिक और कानूनी प्रश्न खड़ा कर दिया है। यह मामला केवल किसी व्यक्ति के आरोपों या अदालत की सामान्य कार्यवाही तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके केंद्र में भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक प्रक्रियाओं के सम्मान का प्रश्न भी है। पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी अदालत द्वारा समन जारी किया जाना आरोपों के सही होने या किसी व्यक्ति के दोषी होने का प्रमाण नहीं होता। अमेरिकी न्यायालय में पन्नू द्वारा दायर मुकदमे में लगाए गए आरोपों को भारत सरकार पहले ही खारिज कर चुकी है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम को



अंतिम न्यायिक निष्कर्ष के रूप में देखना उचित नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इस मामले को आगे बढ़ाने में अपनाई गई प्रक्रिया और उसके संभावित कूटनीतिक प्रभाव क्या हैं।

पन्नू लंबे समय से भारत विरोधी गतिविधियों के लिए चर्चा में रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी घोषित किया है और उसके संगठन सिख फॉर जस्टिस पर प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसे व्यक्ति द्वारा भारत के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिकी अदालत में दीवानी मुकदमा दायर करना स्वाभाविक रूप से भारत के लिए संवेदनशील विषय है। भारत की चिंता केवल आरोपों तक सीमित नहीं है; चिंता यह भी है कि विदेश में बैठा कोई भारत-विरोधी तत्व किसी विदेशी न्यायिक व्यवस्था को भारत के विरुद्ध राजनीतिक दबाव के माध्यम के रूप में इस्तेमाल न कर सके। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगाकृअमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता और अमेरिकी सरकार की विदेश नीति एक ही बात नहीं हैं। यदि किसी व्यक्ति को अमेरिकी कानून के तहत मुकदमा दायर करने का अधिकार है, तो अदालत उस पर विचार कर सकती है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं निकाला जा सकता कि अमेरिकी सरकार उन आरोपों से सहमत है। इसी प्रकार अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा किसी न्यायिक दस्तावेज को राजनयिक माध्यम से भारतीय दूतावास तक पहुंचाना अपने आप में आरोपों की पुष्टि नहीं करता। वह कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है।

फिर भी भारत की आपत्ति का महत्व कम नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में कानूनी प्रक्रिया और राजनयिक मयार्दा दोनों साथ-साथ चलती हैं। किसी विदेशी सरकार या उसके वरिष्ठ अधिकारियों को न्यायिक दस्तावेज तामील कराने के लिए निर्धारित अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं का पालन आवश्यक है। भारत का यह कहना उचित है कि विदेशी न्यायिक दस्तावेजों की तामील के लिए निर्धारित भारतीय केंद्रीय प्राधिकरण और विधिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि इस प्रक्रिया को दरकिनार करने की कोशिश होती है, तो वह केवल तकनीकी भूल नहीं रह जाती, बल्कि संप्रभुता और पारस्परिक सम्मान का प्रश्न बन जाती है। इस पूरे विवाद का दूसरा बड़ा पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा है। अजीत डोभाल भारत की सुरक्षा नीति के अत्यंत महत्वपूर्ण अधिकारी हैं। किसी विदेशी अदालत में उनके विरुद्ध व्यक्तिगत रूप से लगाए गए आरोपों को केवल सामान्य दीवानी विवाद मानना भारत के लिए कठिन होगा। सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के कामकाज और निर्णय अनेक बार गोपनीय सूचनाओं तथा राष्ट्रीय हितों से जुड़े होते हैं। इसलिए ऐसे मामलों में भारत को कानूनी जवाब देने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलताओं की भी रक्षा करनी होगी।

हालांकि भारत को इस मामले में भावनात्मक प्रतिक्रिया से बचना चाहिए। दृढ़ता और आक्रामकता में अंतर है। भारत की शक्ति उसकी संस्थागत स्थिरता, संवैधानिक व्यवस्था और कूटनीतिक संयम में भी दिखाई देती है। इसलिए उचित रास्ता यही होगा कि भारत अमेरिकी न्यायालय के समक्ष क्षेत्राधिकार, संप्रभु प्रतिरक्षा और अन्य लागू कानूनी आधारों पर अपना पक्ष मजबूती से रखे तथा साथ ही अमेरिकी प्रशासन के साथ स्पष्ट राजनयिक संवाद जारी रखे। यह घटनाक्रम कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े विवाद की याद भी दिलाता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में सक्रिय भारत-विरोधी अलगाववादी समूहों ने वहां की लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं और अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकारों का उपयोग भारत विरोधी प्रचार के लिए किया है। लोकतांत्रिक देशों को अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का अर्थ किसी दूसरे देश की संप्रभुता और सुरक्षा चिंताओं की अनदेखी करना नहीं हो सकता।

भारत-अमेरिका संबंध आज रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, हिंद-प्रशांत रणनीति और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में पन्नू प्रकरण को दोनों देशों के व्यापक संबंधों पर हावी होने देना किसी के हित में नहीं होगा। व्यापार और टैरिफ को लेकर पहले से मतभेद हैं; यदि उनके ऊपर इस प्रकार के संवेदनशील न्यायिक और आतंकवाद संबंधी विवाद भी लगातार जुड़ते रहे, तो संबंधों में अनावश्यक तनाव बढ़ सकता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि भारत कोई ऐसा देश नहीं है जिसे दबाव की भाषा से अपनी नीतियां बदलने के लिए विवश किया जा सके। भारत आतंकवाद और अलगाववाद के प्रश्न पर अपने राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता नहीं करेगा। साथ ही भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि वह अमेरिकी न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करता है, लेकिन अपनी संप्रभुता, सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं के सम्मान पर कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा।

अमेरिका के लिए भी यह आत्ममंथन का अवसर है। यदि वह भारत को अपना रणनीतिक साझेदार मानता है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी धरती का इस्तेमाल भारत विरोधी आतंकवादी या अलगाववादी गतिविधियों के लिए न हो। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग तभी प्रभावी हो सकता है, जब आतंकवाद की परिभाषा राजनीतिक सुविधा के अनुसार न बदली जाए। पन्नू प्रकरण का समाधान अदालतों और कूटनीतिकृदोनों स्तरों पर तलाशना होगा। भारत को न तो अनावश्यक रूप से उत्तेजित होने की जरूरत है और न ही किसी दबाव में आने की। उसे अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट, दृढ़ और मर्यादित रुख अपनाना चाहिए।

अमेरिका के लिए संदेश सीधा है-भारत मित्रता चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता की कीमत पर नहीं; सहयोग चाहता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करके नहीं; और कूटनीतिक सम्मान देता है, तो बदले में समान सम्मान की अपेक्षा भी रखता है। पन्नू जैसे तत्वों के आरोपों को भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा निर्धारित करने का अवसर देना दोनों देशों के दीर्घकालीन हित में नहीं होगा। समय आ गया है कि वाशिंगटन कानून की प्रक्रिया और राजनीति के बीच की महीन रेखा को समझे तथा भारत की संवेदनशीलता और संप्रभु अधिकारों का पूरा सम्मान करे।

रिटायरमेंट के बाद की 'सत्ता' पर आयोग का ताला



अशोक भाटिया

भारतीय लोकतंत्र की चुनावी बिसात पर नियमों की शतरंज हमेशा से बिछती रही है, लेकिन असली खेल अक्सर उन मोहरों से खेला जाता है जो बिसात पर सीधे दिखाई नहीं देते। भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचार संहिता के दायरे में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों द्वारा पुनर्नियुक्त सेवानिवृत्त अधिकारियों को शामिल करने का निर्णय महज एक तकनीकी या प्रशासनिक सुधार नहीं है। यह वास्तव में सत्ता के गलियारों में पनप रही उस 'छद्म नौकरशाही' या समानांतर प्रशासनिक तंत्र की घेराबंदी है, जो बिना किसी संवैधानिक जवाबदेही के चुनावी प्रक्रिया की दिशा मोड़ने की क्षमता रखती है। यदि हम आयोग के इस कदम को केवल नियमों के सामान्य विस्तार के रूप में देखेंगे, तो इसके पीछे छिपे गहरे मनोवैज्ञानिक, आर्थिक और संस्थागत संकट को समझने में चूक कर जाएंगे। लोकतंत्र की जड़ें केवल मतपेटियों में डाले गए मतों से मजबूत नहीं होतीं, बल्कि इस बात से होती हैं कि उन मतपेटियों की रखवाली करने वाला तंत्र किसी व्यक्ति या दल के प्रति नहीं, बल्कि केवल संविधान के प्रति उत्तरदायी हो।

आधुनिक भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में 'सेवानिवृत्ति' अब सेवा का अंत नहीं, बल्कि एक नए और अधिक शक्तिशाली अवतार का प्रारंभ बन चुकी है। पिछले कुछ दशकों में केंद्र और राज्यों की सरकारों में यह प्रवृत्ति एक अघोषित परंपरा बन गई है कि शीर्ष पदों से अवकाश प्राप्त करने वाले चुनिंदा नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों को सलाहकार, विशेष कार्य अधिकारी, या किसी आयोग और प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में 'पुनर्जीवित' कर दिया जाता है। यह व्यवस्था देखने में प्रशासनिक अनुभव के सदुपयोग जैसी निर्दोष और सकारात्मक प्रतीत होती है, किंतु इसका व्यावहारिक समाजशास्त्र कुछ और ही कहानी कहता है। जब कोई अधिकारी सरकारी सेवा में रहते हुए सत्ता के शीर्ष नेतृत्व का विश्वासपात्र बन जाता है, तो सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाला यह नया पद उसके लिए एक 'पुरस्कार' होता है, और उस पुरस्कार की कीमत उसे चुनाव के समय अपनी प्रशासनिक वफादारी से चुकानी पड़ती है।

इस पूरी व्यवस्था का सबसे खतरनाक पहलू 'प्रशासनिक मनोविज्ञान' और 'पदानुक्रम का भय' है, जिसे निर्वाचन आयोग ने पहली बार इतनी बारीकी से पकड़ा है। भारतीय नौकरशाही की संरचना अत्यंत औपचारिक, पारंपरिक और पदानुक्रमित रही है। एक जिलाधिकारी या पुलिस अधीक्षक के लिए अपने पूर्व मुख्य सचिव या पूर्व पुलिस महानिदेशक के आदेश, आग्रह या यहां तक कि एक अनौपचारिक सुझाव को भी टालना व्यावहारिक रूप से लगभग असंभव होता है, भले ही वे वरिष्ठ अधिकारी अब किसी सलाहकार पद पर क्यों न हों। चुनाव के समय जब आचार संहिता लागू होती है, तब वर्तमान में कार्यरत अधिकारी तो निर्वाचन आयोग के सीधे नियंत्रण और अनुशासन में आ जाते हैं, लेकिन ये पुनर्नियुक्त 'पूर्व दिग्गज' नियमों की परिधि से बाहर रहकर एक समानांतर सत्ता केंद्र की तरह काम करते थे। एक सामान्य वीडियो

हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति मार्गदर्शन

कॉन्फ्रेंस या अनौपचारिक बैठक के माध्यम से ये अधिकारी जिले की पूरी चुनाव मशीनरी को वह सूक्ष्म संदेश दे सकते थे, जो कोई मंत्री या मुख्यमंत्री सार्वजनिक मंच से कभी नहीं दे सकता। आयोग का यह ताजा आदेश इसी अदृश्य टेलीफोन लाइन और अनौपचारिक दबाव तंत्र को काटने का एक सटीक सर्जिकल प्रयास है।

इस विषय का एक दूसरा और अधिक गंभीर आयाम 'सरकारी संसाधनों के राजनीतिक उपयोग' से जुड़ा है। जब किसी सेवानिवृत्त अधिकारी या किसी राजनीतिक व्यक्ति को किसी सरकारी निगम, बोर्ड, परिषद या समिति में नियुक्त किया जाता है, तो उसे केवल एक पद ही नहीं मिलता, बल्कि सरकारी बंगला, वाहन, सुरक्षा और कर्मचारियों की एक पूरी फौज भी मिलती है। यह संपूर्ण तामझाम आम करदाताओं के पैसे से पोषित होता है। आचार संहिता के दायरे से बाहर रहने के कारण अब तक ये लोग सरकारी संसाधनों का भरपूर उपभोग करते हुए एक तरह से सत्ताधारी दल के अघोषित रणनीतिकार या प्रचारक की भूमिका निभाते थे। यह लोकतंत्र में 'समान अवसर' के बुनियादी सिद्धांत के साथ सबसे बड़ा छल था। एक तरफ एक सामान्य उम्मीदवार अपने हर पोस्टर, बैनर और चाय के कप का पाई-पाई हिसाब निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षकों को देता है, और दूसरी तरफ सरकारी खजाने से पोषित एक 'सलाहकार' या 'अध्यक्ष' पूरे जिले या विभाग के प्रशासन को प्रभावित करने की हैसियत रखता है। आयोग ने इस विसंगति पर सीधा प्रहार करके यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी तिजोरी से निकला एक भी रुपया राजनीतिक निष्ठा खरीदने या चुनावी समीकरण साधने का माध्यम नहीं बन सकता।

इसके अलावा, आयोग द्वारा सरकार से पूर्ण या आंशिक रूप से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले संगठनों, समितियों और निगमों को भी आचार संहिता के तहत पूरी तरह बांधने का निर्देश एक अत्यंत व्यापक सुधार की ओर इशारा करता है। भारतीय राजनीति में चुनाव से ठीक पहले विभिन्न बोर्डों और निगमों में राजनीतिक नियुक्तियों की बाढ़ आना एक सामान्य घटना रही है। असंतुष्ट नेताओं को संतुष्ट करने या जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को साधने के लिए बांटे जाने वाले ये पद चुनाव के समय सत्ताधारी दल के लिए सबसे बड़े औजार बन जाते थे। इन पदों पर बैठे व्यक्ति न तो पूर्णकालिक सरकारी सेवक की तरह आचरण नियमावली से बंधे होते थे और न ही सामान्य नागरिक की तरह सीमित संसाधनों में रहते थे। वे सरकारी तंत्र का हिस्सा बनकर राजनीतिक एजेंडा चलाते थे। आयोग की इस सख्ती ने सत्ता के इस 'सुरक्षित कवच' को भेदने का काम किया है, जिससे आगामी विधानसभा चुनावों में प्रशासनिक मशीनरी के दुरुपयोग की संभावनाओं पर निश्चित रूप से अंकुश लगेगा।

परंतु, इस महत्वपूर्ण सुधार की सराहना करते हुए हमें उस बड़े संकट को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए जो अब भी व्यवस्था के भीतर गहराई से जड़ें जमाए बैठा है। निर्वाचन आयोग ने उस 'लक्षण' का इलाज तो खोज लिया है जो चुनाव की घोषणा के बाद उभरता है, लेकिन उस 'मूल बीमारी' की जड़ अब भी सुरक्षित है जो किसी अधिकारी के सेवाकाल के अंतिम वर्षों में पनपती है। आज सबसे बड़ा और बुनियादी प्रश्न यह है कि जब किसी वरिष्ठ नौकरशाह को यह पहले से पता होता है कि उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख के अगले ही दिन उसके लिए किसी नियामक आयोग, न्यायाधिकरण या सलाहकार पद की आरामदायक कुर्सी तैयार है, तो क्या वह अपने सेवाकाल के अंतिम दो वर्षों में स्वतंत्र, निडर और निष्पक्ष निर्णय ले सकता है? यह 'सेवानिवृत्ति के बाद के पद' का लोभ पूरी नौकरशाही की रीढ़ को भीतर ही भीतर कमजोर कर रहा है। निर्वाचन आयोग आचार संहिता के दो महीनों में तो इन पुनर्नियुक्त अधिकारियों को सरकारी बैठकों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से दूर रख सकता है, लेकिन चुनाव की घोषणा से ठीक एक दिन पहले तक इन्होंने प्रशासनिक ढांचे में जो जमीन तैयार की है और जो पदस्थापनाएं कराई हैं, उनके प्रभाव को केवल कागजी आदेशों से कैसे बदला जा सकेगा?

इस जटिल समस्या के समाधान के लिए केवल निर्वाचन आयोग के निर्देश पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसके लिए एक व्यापक विधायी और प्रशासनिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न प्रशासनिक सुधार आयोगों ने समय-समय पर नौकरशाही की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए सेवानिवृत्ति के पश्चात एक अनिवार्य 'कूलिंग-ऑफ पीरियड' यानी विश्राम अवधि की आवश्यकता पर बल दिया है। यदि कोई ऐसा कठोर कानून बने कि कोई भी अधिकारी सेवानिवृत्ति के कम से कम दो या तीन वर्ष तक सरकार द्वारा प्रदत्त किसी भी लाभ के पद या सलाहकार की भूमिका को स्वीकार नहीं कर सकेगा, तभी नौकरशाही में सत्ता के प्रति अतिरिक्त झुकाव की प्रवृत्ति पर स्थायी रूप से लगाम लग पाएगी। जब तक यह नहीं होता, तब तक आचार संहिता के नियम केवल एक अस्थायी बांध की तरह काम करेंगे, जिसके नीचे से प्रभाव का पानी रिसने के रास्ते तलाशता रहेगा।

क्या ऐसे होंगे हिन्दू राष्ट्र के सूत्रधार?



-निर्मल रानी

इन दिनों सत्ता,गोदी मीडिया व सोशल मीडिया द्वारा सुनियोजित तरीके से प्रचारित कर जनता पर थोपे गये बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने विवादित बयानों को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं।परन्तु इसबार उनके मुंह से जिस तरीके से भगवान श्री कृष्ण को लेकर अपमानजनक बातें की गयीं और उनका मजाक उड़ाया गया और जिन शब्दों व जिस अंदाज में पेश किया गया वह उनके क्षमा मांगने के बावजूद अक्षम्य है। गौरतलब है कि धीरेंद्र शास्त्री ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक कथा के दौरान भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप व मुद्रा की तुलना करते हुये कहा कि ' 'हमारे वाले' श्रीराम बिल्कुल सीधे खड़े होते हैं, जबकि 'तुम्हारे वाले' श्रीकृष्ण की मुद्रा और चाल 'टेढ़ी' होती है। उन्होंने कृष्ण के बांसुरी बजाने को बच्चों का खेल और धनुष-बाण चलाने को बड़ी बात बताया। उन्होंने 'हमारे वाले राम' और 'उनके वाले कृष्ण' जैसी शब्दावली का प्रयोग कर सनातन धर्म में जातिवाद की लकीर खींचने का भी दुष्प्रयास किया। धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान पर देशभर के संतों,नेताओं, कृष्ण भक्तों और यादव समाज ने कड़ी आपत्ति जताई। तभी मौके की नजाकत को भांप कर इस 'लंपट' ने क्षमा मांगने में ही अपनी भलाई समझी। उसके आलोचकों का आरोप है कि ऐसे बयान से भगवान कृष्ण का उपहास उड़ाया गया है। इस मामले में आगरा की सिविल कोर्ट में उसके खिलाफ एक आपराधिक मानहानि की शिकायत भी दर्ज कराई गई।

इसी विवाद के बीच पिछले दिनों रायपुर में आयोजित एक कथा के दौरान शास्त्री ने सनातनियों से एकजुट होने की अपील करते हुये नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रसिद्ध नारे 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा ' की तर्ज पर एक नया नारा दिया है। धीरेंद्र शास्त्री का नारा है- ₹तुम मेरा साथ दो, मैं हिंदू राष्ट्र बनाऊंगा।₹ परन्तु सवाल यह है कि क्या 'हमारे राम' और 'तुम्हारे कृष्ण' जैसी दुर्भावनापूर्ण बातें कर समाज में फूट डलवाने की कुचेष्टा करने वाला व्यक्ति भी हिन्दू राष्ट्र का सूत्रधार बनने का सपना देख सकता है ? इसके द्वारा भरी सभा में अपने भक्तों के बीच की गयी बकवास की सूची बहुत लंबी है। कभी यह ग्रेटर नोएडा में आयोजित एक भागवत कथा के दौरान महिलाओं के पहनावे और श्रृंगार को लेकर कहता है कि जिस महिला की मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र न हो, उसे 'खाली प्लॉट' समझा जाए। इसके साथ ही इस ने ब्यूटी पार्लर जाने वाली महिलाओं पर भी तंज कसते हुए कहा था कि वे 'काले जामुन पर फाउंडेशन' लगा देती हैं। उसका यह बयान काफी चर्चा में रहा। सोशल मीडिया और महिला संगठनों द्वारा इस बयान की तीखी आलोचना भी की गई थी। आलोचकों ने इसे पितृसत्तात्मक, स्त्री-विरोधी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला बयान बताया था। एक अन्य कथा के दौरान रामायण के प्रसंगों की व्याख्या करते हुए उसने व्यास मंच से कहा था कि ₹विश्वास करना मुश्किल है, लेकिन श्री राम जी के पांच पिता थे₹। इस बयान की क्लिप वायरल होने के बाद सनातन धर्म के कई जानकारों ने इस पर सवाल उठाए। हालांकि, बाद में इसकी ओर से यह सफाई दी गयी कि उसका आशय जैविक पिताओं से नहीं, बल्कि रामायण के राजा दशरथ, राजा जनक, जटायु, सुग्रीव जैसे उन पांच चरित्रों से था जिन्हें प्रभु राम ने पिता तुल्य सम्मान या दर्जा दिया था। परन्तु आलोचकों का कहना था कि व्यास पीठ से शब्दों का चयन अधिक जिम्मेदारी से होना चाहिए। इसी तरह अप्रैल 2026 में नागपुर में एक धार्मिक सभा के दौरान शास्त्री ने आधुनिक जीवनशैली और पारिवारिक मूल्यों को लेकर एक वक्तव्य दिया। उस ने टिप्पणी की थी कि आजकल कुलीन या अमीर परिवारों की महिलाएं भी शराब पीने लगी हैं, और ऐसी आदतें बच्चों के पालन-पोषण को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। इस बयान पर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर प्रतिक्रियाएं आईं थीं । कांग्रेस नेताओं सहित कई विपक्षी महिला नेताओं ने इसे महिलाओं का अपमान बताते हुए सार्वजनिक मुआफी की मांग की थी और विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी थी।

हिन्दू राष्ट्र के इसी स्वयंभू सूत्रधार ने एक बार सार्वजनिक मंच से कहा था कि हिंदू परिवारों को तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए और उनमें से एक बच्चे को राष्ट्र व धर्म की सेवा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या बजरंग दल को समर्पित कर देना चाहिए। इस बयान को आलोचकों और विपक्षी दलों द्वारा अत्यधिक राजनीतिक और समाज में ध्रुवीकरण बढ़ाने वाला माना गया था। अपने भक्तों को सरे आम 'पागल' कहकर संबोधित करने वाला यह व्यक्ति प्रयागराज संगम में भगदड़ में अपनी जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं है कि 'गंगा किनारे मरने वाला मरता नहीं बल्कि मोक्ष पाता है 'तो कभी मछली खाने वाले बंगालियों को राक्षस व विधर्मी बता कर विवाद खड़ा कर देता है। कभी कहता है कि संत तुकाराम की पत्नी रोज उन्हें डंडे से मारती थी तो कभी करवा चौथ का नाम 'खसम पूजन दिवस ' रख कर इस व्रत का मजाक उड़ाता है। कभी कहता है कि लोधियों के डी एन ए में गड़बड़ है इसलिए वे मेरे विरोधी हैं तो कभी कहता है कि मुसलमानों के पास अली हैं तो हमारे पास बजरंगबली हैं। ऐसे घटिया व विवादित बयानों के अलावा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने दरबार में लोगों की पर्ची निकालने , भूत-प्रेत भगाने और बिना मेडिकल टेस्ट के बीमारियां ठीक करने के दावे भी करता है जिसे लेकर वैज्ञानिक व कानूनी विवाद हो चुका है। एक बार तो 'अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति' ने नागपुर में उसके दावों को चुनौती दी और ?3 लाख इनाम की चुनौती रखी। परन्तु शास्त्री ने यह चुनौती स्वीकार नहीं की। समिति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि धर्म की आड़ में अंधविश्वास और जादू-टोने को बढ़ावा देकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। थोथी लोकप्रियता हासिल करने के लिये भले ही यह व्यक्ति हिन्दू-मुस्लिम व हिन्दू राष्ट्र का राग अलापता रहता हो परन्तु धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने कई इंटरव्यू में खुद बताया है कि जब उस का परिवार अत्यधिक आर्थिक तंगी से गुजर रहा था, तब उनकी सगी बहन की शादी के समय शेख मुबारक नाम के उनके एक घनिष्ठ मुस्लिम मित्र ने उसे 20,000 रुपए देकर आर्थिक सहायता की थी। सवाल यह है कि क्या ऐसी घटिया,द्वेषपूर्ण मानसिकता रखने वाले व समाज में धर्म व जातियों यहाँ तक कि भगवानों में अंतर पैदा करने व अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाले इसी तरह के सत्ता प्रायोजित नफरती लोग ही हिन्दू राष्ट्र के सूत्रधार होंगे?

डिजिटल क्रांति के बीच कायम नकदी का आकर्षण



-प्रियंका सौरभ

भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में 8 नवंबर 2016 की रात एक ऐसा निर्णय लिया गया, जिसने देश आर्थिक, सामाजिक और व्यावसायिक जीवन को गहराई से प्रभावित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों को प्रचलन से बाहर करने की घोषणा केवल मुद्रा परिवर्तन नहीं थी, बल्कि इसे काले धन, नकली नोटों, भ्रष्टाचार और आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण पर प्रहार के रूप में प्रस्तुत किया गया था। उस समय प्रचलित मुद्रा के कुल मूल्य का लगभग 86 प्रतिशत हिस्सा इन दोनों नोटों में था। आज दस वर्ष बाद जब इस फैसले का मूल्यांकन किया जा रहा है, तब एक महत्वपूर्ण विरोधाभास सामने आता है। देश में डिजिटल भुगतान का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, लेकिन नकदी का प्रचलन भी लगातार बढ़ा है। यही विरोधाभास नोटबंदी की वास्तविक उपलब्धियों और सीमाओं को समझने की कुंजी है।

नोटबंदी के बाद सामने आया सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में देखने को मिला। हालांकि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की शुरूआत अप्रैल 2016 में नोटबंदी से पहले ही हो चुकी थी, लेकिन नोटों की अचानक कमी ने लोगों को डिजिटल भुगतान के विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया। मोबाइल वॉलेट, इंटरनेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड और क्यूआर कोड आधारित भुगतान धीरे-धीरे आम जीवन का हिस्सा बन गए। वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई के माध्यम से लगभग 241 अरब से अधिक लेन-देन दर्ज किए गए। छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी संचालकों, सेवा प्रदाताओं और आम उपभोक्ताओं के बीच इसकी स्वीकार्यता ने भारतीय भुगतान व्यवस्था में व्यापक बदलाव को दशार्या है। यह कहना उचित होगा कि नोटबंदी ने डिजिटल भुगतान को अपनाने की प्रक्रिया को गति प्रदान की।

इस फैसले का एक अन्य परिणाम बैंकिंग व्यवस्था में जमा राशि की अस्थायी वृद्धि के रूप में सामने आया। पुराने नोट बैंकों में जमा होने से बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ी और वित्तीय संस्थाओं को असामान्य लेन-देन की पहचान करने के अवसर मिले। पहले बैंकिंग व्यवस्था से बाहर रहने वाली कई नकदी जमाओं का विवरण उपलब्ध हुआ। इससे आयकर विभाग को संदिग्ध लेन-देन की जांच, कर चोरी की पहचान और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने में सहायता मिली। इसके अतिरिक्त पुराने मूल्यवर्ग के नकली नोट तत्काल अमान्य हो गए। इससे मौजूदा नकली मुद्रा नेटवर्क को झटका लगा। नोटबंदी ने बैंकिंग सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक भुगतान और वित्तीय जागरूकता के विस्तार को भी प्रोत्साहित किया।

हालांकि इन उपलब्धियों के बावजूद नोटबंदी के आर्थिक परिणाम कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करते हैं। सबसे बड़ा प्रश्न काले धन की वापसी और उसकी वास्तविक रोकथाम से जुड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, विमुद्रीकृत मुद्रा का लगभग 99.3 प्रतिशत हिस्सा वापस बैंकिंग प्रणाली में आ गया। लगभग 15.41 लाख करोड़ रुपये की अमान्य घोषित मुद्रा में से करीब 15.31 लाख करोड़ रुपये बैंकों में लौट आए। यह आंकड़ा उस अपेक्षा के विपरीत था, जिसके अनुसार बड़ी मात्रा में काला धन नकदी के रूप में होने के कारण स्वतः समाप्त हो जाएगा। यह जरूर है कि बैंक में जमा हुई पूरी राशि को वैध नहीं माना जा सकता, लेकिन इससे स्पष्ट हुआ कि नोटबंदी के माध्यम से स्थायी रूप से समाप्त हुई नकदी अपेक्षाकृत बहुत कम थी।

इसका मूल कारण यह है कि काला धन केवल नकदी के रूप में नहीं रखा जाता। उसका बड़ा हिस्सा अचल संपत्ति, सोना, बेनामी संपत्तियों, विदेशों में जमा धन, फर्जी कंपनियों और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों में निवेशित रहता है। इसलिए केवल बड़े नोटों को प्रचलन से बाहर कर देना काले धन की पूरी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। इसके लिए कर व्यवस्था में पारदर्शिता, संपत्ति के लेन-देन की निगरानी और भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है।

नकदी पर निर्भरता का बने रहना भी नोटबंदी की सीमाओं को उजागर करता है। नवंबर 2016 के आसपास प्रचलन में मुद्रा लगभग 17.77 लाख करोड़ रुपये थी, जबकि अक्टूबर 2026 तक यह बढ़कर लगभग 43.16 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। यह वृद्धि इस बात का संकेत है कि डिजिटल भुगतान के विस्तार के बावजूद नकदी भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण माध्यम बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे कारोबारियों, दैनिक मजदूरों और सीमित इंटरनेट सुविधा वाले लोगों के लिए नकदी आज भी आवश्यक है। इसका अर्थ यह नहीं कि डिजिटल भुगतान असफल रहा, बल्कि यह स्पष्ट करता है कि भारत की अर्थव्यवस्था में नकदी और डिजिटल माध्यम दोनों की अपनी उपयोगिता है। नोटबंदी का सबसे गंभीर प्रभाव असंगठित क्षेत्र पर पड़ा। छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी संचालकों, कृषि मजदूरों, निर्माण श्रमिकों और सूक्ष्म उद्यमों को अचानक नकदी की कमी का सामना करना पड़ा। अनेक कारोबारों की बिक्री घटी, उत्पादन प्रभावित हुआ और कुछ प्रतिष्ठानों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। दैनिक मजदूरी पर निर्भर लोगों की आय में कमी आई। ग्रामीण बाजारों में सामान्य आर्थिक गतिविधियां बाधित हुईं। देश की अर्थव्यवस्था में छोटे उद्यमों और असंगठित क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए यह व्यवधान केवल कुछ दिनों की समस्या नहीं था, बल्कि इसके व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिणाम सामने आए।

इसके अतिरिक्त नई मुद्रा में भी नकली नोटों की मौजूदगी सामने आई। इससे स्पष्ट हुआ कि नकली मुद्रा की समस्या केवल पुराने नोटों को अमान्य करने से समाप्त नहीं हो सकती। इसके लिए बेहतर सुरक्षा विशेषताओं, खुफिया तंत्र, सीमा निगरानी और प्रभावी कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता है। इसी प्रकार अचानक लिए गए आर्थिक निर्णयों के कारण उपभोग, उत्पादन और अल्पकालिक आर्थिक विकास पर भी दबाव पड़ा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि काले धन के विरुद्ध लड़ाई को केवल नकदी तक सीमित न रखा जाए। कर चोरी रोकने के लिए तकनीक आधारित निगरानी, बेनामी संपत्तियों पर कार्रवाई, संपत्ति के लेन-देन में पारदर्शिता और विभि

भिवंडी अपराध शाखा ने 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर चोरी के कई मामलों का किया पर्दाफाश



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में घरफोड़ियों और वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए भिवंडी अपराध शाखा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शातिर चोरों के गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 11 लाख 27 हजार रुपये कीमत के 235 ग्राम सोने के आभूषण और वाहन बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में भिवंडी सहित ठाणे शहर के वाहन चोरी के 5 और घरफोड़ियों के 7, कुल 12 मामलों का खुलासा हुआ है। क्राइम ब्रांच के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शीतल राऊत के मार्गदर्शन में घरफोड़ियों के मामलों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान सहायक पुलिस निरीक्षक राजेंद्र आल्हाट को मिली गुप्त सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाया। पुलिस टीम ने शमशुहुदा रईस कुरैशी उर्फ गोलू (36), निवासी खाड़ीपार, भिवंडी तथा साहिल नजमे हसन खान (23) को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में आठ दिनों तक निगरानी रखने के बाद एसटीएफ उत्तर प्रदेश की मदद से गिरफ्तार किया। वहीं तीसरे आरोपी मोहम्मद सरवर फतेह मोहम्मद अंसारी उर्फ गुड्डू (40), निवासी भिवंडी को पुणे से हिरासत में लिया गया।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपने फरार साथी मुख्य आरोपी मोहम्मद शमशाद मोहम्मद अहमद उर्फ राजू, निवासी प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) के साथ मिलकर भिवंडी शहर में घरफोड़ियों और चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की। आरोपियों के पास से 11 लाख 27 हजार रुपये के 235 ग्राम सोने के आभूषण सहित चोरी के वाहन बरामद किए गए हैं। इस सफल कार्रवाई को वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शीतल राऊत के नेतृत्व में सहायक पुलिस निरीक्षक अजय कुंभार, पुलिस उपनिरीक्षक रवींद्र पाटिल तथा पुलिसकर्मियों राजेंद्र आल्हाट, सुधाकर चौधरी, सुनील सालुंके, निलेश बोरसे, सुदेश घाग, साबिर शेख, प्रशांत राणे, राजेश गावडे, वसंत चौरे, शिवाजी मुर्तडक, विक्रम धडवई, सायली गंभेरा, माया डोंगरे, दक्षता माली, अमोल इंगले, विजय कुंभार, नितीन नंदिवाले, जालिंदर सालुंके, सर्फराज तडवी, भावेश घरत और रवींद्र सालुंके ने अंजाम दिया।

भिवंडी में चोरों ने उड़ाए 4.68 लाख के जेवर और नकदी

भिवंडी। शहर के शांतिनगर इलाके में घर का दरवाजा खुला छोड़कर सो रहे एक परिवार के घर में घुसकर अज्ञात चोरों ने 4 लाख 68 हजार रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली। मिली जानकारी के अनुसार, शांतिनगर के संजय नगर स्थित पहली मंजिल की चॉल में रहने वाले मैनुद्दीन अब्दुल कुद्दुस अंसारी रात में घर का दरवाजा खुला छोड़कर सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर ने खुले दरवाजे से घर में प्रवेश किया और अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी सहित कुल 4 लाख 68 हजार रुपये का सामान लेकर फरार हो गया।घटना की शिकायत के बाद शांतिनगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस चोर की तलाश में जुटी है।

शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी भीषण आग, पूरा घर जलकर खाक



पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले की डहाणू तहसील के वाघाड़ी स्थित बसवतपाड़ा में शॉर्ट सर्किट के कारण एक मकान में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा मकान जलकर खाक हो गया। इस हादसे में घर में रखा जरूरी घरेलू सामान, धान का भंडार, नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर नष्ट हो गये। घटना के चलते प्रभावित परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वाघाड़ी (बसवतपाड़ा), पोस्ट कासा, तहसील डहाणू में जानकी काकड्या बसवत के घर में अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से घर में रखा जीवनावश्यक सामान और वर्षों की मेहनत से संचित अनाज भी नष्ट हो गया। इस घटना से जानकी काकड्या बसवत और उनके दोनों पुत्र संतोष काकड्या बसवत तथा सुनील काकड्या बसवत के परिवार को भारी नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही नागरी संरक्षण दल (सिविल डिफेंस) के मास्टर ट्रेनर सचिन सातवी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के कार्य में सहयोग किया। इसके बाद वाघाड़ी ग्राम पंचायत के सदस्य योगेश धापशी ने अग्निशमन विभाग से संपर्क कर सहायता मांगी। शुरूआत में अदाणी अग्निशमन सेवा से संपर्क करने का प्रयास किया गया, जिसके बाद डहाणू नगर परिषद के अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही डहाणू नगर परिषद की दमकल गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची। अग्निशमन जवानों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल विभाग एवं नागरिक सुरक्षा दल के सदस्यों की तत्परता से आग को आगे फैलने से रोकने में मदद मिली और संभावित बड़ा हादसा टल गया। घटनास्थल पर नागरी संरक्षण दल के मास्टर ट्रेनर सचिन सातवी, महेंद्र दिवा, अतुल सातवी, संजय उमतोल, कृष्णा कोंब और अनिकेत कोल्हा ने राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग किया। वहीं डहाणू नगर परिषद अग्निशमन विभाग की ओर से मनीष पाटील, राहुल तांडेल, मंगेश अंबिरे और यश मेहेर ने आग बुझाने के लिए सराहनीय प्रयास किये। नागरी संरक्षण दल के पालघर जिला उपनियंत्रक काशीनाथ आर. कुरकुटे ने मास्टर ट्रेनरों द्वारा किये गये इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की है।

मीरा-भायंदर के प्रभाग क्रमांक 6 में अवैध निर्माणो का बोलबाला!

- 8 हजार और 10 हजार वर्गफीट के पत्रा शेड बनकर तैयार, शिकायतों के बावजूद मनपा प्रशासन मौन; प्रभाग अधिकारी की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल
- मंत्री प्रताप सरनाईक के सख्त निदेर्शों की भी अनदेखी? आयुक्त के आदेशों के बावजूद धड़ल्ले से जारी अवैध बांधकाम और व्यावसायिक गतिविधियां

तारकेश्वर पांडे

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका के प्रभाग क्रमांक 6 में कथित अवैध निर्माणों का कारोबार बड़े पैमाने पर फल-फूल रहा है। आरोप है कि क्षेत्र में जगह-जगह बिना अनुमति के पत्रा शेड, अवैध बांधकाम और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद मनपा प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। इससे प्रभाग अधिकारी प्रियंका वानखेड़े की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा मनपा आयुक्त राधाविनोद शर्मा को स्पष्ट निर्देश दिए जाने की बात सामने आई है कि शहर में किसी भी प्रकार का अवैध बांधकाम अथवा अवैध पत्रा शेड का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। इसके बावजूद प्रभाग क्रमांक 6 में कथित तौर पर अवैध



निर्माणों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर मंत्री के निदेर्शों और आयुक्त के आदेशों का पालन कौन सुनिश्चित करेगा? एसके स्टोन के पास 8 हजार वर्गफीट का पत्रा शेड, काशीगांव मेट्रो स्टेशन के पास 10 हजार वर्गफीट का निर्माण! प्रभाग क्रमांक 6 में अवैध निर्माणों को लेकर दो बड़े मामले चर्चा में हैं। जानकारी के अनुसार, एसके स्टोन के पास लगभग 8 हजार वर्गफीट क्षेत्र में पत्रा शेड का निर्माण किया गया है। वहीं काशीगांव मेट्रो स्टेशन के बगल में लगभग 10 हजार वर्गफीट के पत्रा शेड में सोफा एवं फर्नीचर की दुकानें संचालित होने की बात सामने आई है।

सवाल यह है कि इतनी बड़ी जगह पर पत्रा शेड का निर्माण कैसे हुआ? क्या इसके लिए महानगरपालिका से आवश्यक अनुमति ली गई है? यदि अनुमति नहीं है तो अब तक संबंधित निमार्णों पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई? क्या मनपा प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को इन निमार्णों की जानकारी नहीं है? पहले आग से हुआ था भारी नुकसान, क्या प्रशासन फिर किसी हादसे का इंतजार कर रहा है?

इस क्षेत्र का पिछला रिकॉर्ड भी प्रशासन के लिए गंभीर चेतावनी है। प्रभाग क्रमांक 6 के अंतर्गत पहले भी जगह-जगह बने पत्रा शेड और झोपड़ियों में आग लगने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें जान-माल का भारी नुकसान हुआ था। उस समय तत्कालीन प्रभाग अधिकारी श्रीमती प्रियंका भोसले ने सक्रियता दिखाते हुए ऐसे पत्रा शेड और झोपड़ियों के खिलाफ तोड़क कार्रवाई की थी।

लेकिन अब सवाल उठ रहा है कि वर्तमान प्रभाग अधिकारी प्रियंका वानखेड़े के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर बन रहे पत्रा शेड और अवैध निमार्णों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है? क्या मनपा प्रशासन किसी बड़ी आगजनी या दुर्घटना के बाद ही जागेगा? यदि इन निमार्णों में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं तो भविष्य में किसी गंभीर हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

सुनेत्रा पवार की राकांपा के 22 विधायक छोड़ सकते हैं पार्टी, संजय राउत का दावा



मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के विलय की नयी चचाओं के बीच शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने बुधवार को दावा किया कि सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के 20 से 22 विधायक पाला बदल सकते हैं। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राकांपा (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात करने वाले राकांपा विधायक केवल सामान्य बातचीत नहीं कर रहे हैं, बल्कि इन मुलाकातों के पीछे कोई बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम छिपा है। उन्होंने दावा किया कि अजित पवार के निधन के बाद राकांपा विधायक गुलाम बनकर रह गए हैं।राउत ने कहा, सुनेत्रा पवार की पार्टी के 20 से 22 विधायक कभी भी अलग हो सकते हैं... अगर वे अपने मूल घर (शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा) में लौटते हैं, तो यह विलय नहीं कहलाएगा। या फिर वे चुनावों से पहले किसी अन्य पार्टी में शामिल हो सकते हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से परामर्श किए बिना राकांपा का विलय नहीं हो सकता। इस पर पलटवार करते हुए राउत ने कहा कि यह बात शरद पवार की पार्टी पर लागू नहीं होती।कोल्हापुर स्थित गोकुल डेरी (दूध सहकारी समिति) के चुनावों पर बोलते हुए राउत ने कहा कि वहां हुए घटनाक्रम लोकतंत्र के लिए हानिकारक हैं।

यादव समाज सेवा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का भव्य सांस्कृतिक आयोजन, राधा-कृष्ण की झांकी ने मोहा मन

डॉ. अप्पासाहेब धर्माधिकारी सभागृह में धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम, भाजपा नगरसेवक सचिन डोंगरे ने मराठी लोकगीत गाकर बांधा समां

मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। यादव समाज सेवा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 10 नवंबर 2026 को मीरा रोड स्थित डॉ. अप्पासाहेब धर्माधिकारी सभागृह में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ किया गया। कार्यक्रम में भगवान श्री राधा-कृष्ण की आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस झांकी ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस सांस्कृतिक समारोह में विभिन्न जनप्रतिनिधियों, नगरसेवकों और समाज के गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर यादव समाज



के अध्यक्ष रंगभद्र यादव, सचिव चंद्रजीत यादव, राजेश यादव, सलाहकार फूलचंद यादव तथा शिवशक्ति नगर से रामजतन यादव सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाज के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 11 के भाजपा नगरसेवक सचिन डोंगरे की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने अपनी सुरीली आवाज में मराठी लोकगीत प्रस्तुत कर समारोह में चार चांद लगा दिए। उनके गीतों पर उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया और तालियों से उनका स्वागत किया। लोकगीत भजन गायिका श्रीमती अंजलि पाठक ने अपने मधुर सुरीली आवाज से समा बांध दिया पूरे कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और राधा-कृष्ण की झांकी ने भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण माहौल बनाए रखा। यादव समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर आयोजन में सहभागिता निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इस आयोजन के माध्यम से यादव समाज की सांस्कृतिक परंपरा, सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे की सुंदर झलक देखने को मिली। समारोह का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ।

अगर शरद पवार ने सोनिया गांधी के विदेशी मूल के मुद्दे का विरोध नहीं किया होता, UPA के कार्यकाल में ही प्रधानमंत्री बन गए होते: रामदास आठवले



मुंबई (उत्तरशक्ति)। शरद पवार; पी ए संगमा और तारिक अनवर ने प्रधानमंत्री पद के लिए सोनिया गांधी का विरोध करते हुए एक पर्चा जारी किया था, जिसमें यह मुद्दा उठाया गया था कि विदेशी मूल के व्यक्ति को देश का प्रधानमंत्री बनाना सही नहीं है। इसी मुद्दे पर शरद पवार ने कांग्रेस छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाई थी। वढअ के समय में डॉ. मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री पद के दो टर्म पूरे किए। अगर शरद पवार ने विदेशी मूल के मुद्दे पर सोनिया गांधी का विरोध नहीं किया होता, तो UPA के समय में शरद पवार प्रधानमंत्री बन गए होते। वढअ के समय में शरद पवार को प्रधानमंत्री पद का एक टर्म मिलता उपरोक्त बातें रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कही। वे बांद्रा में संविधान निवास पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने देश के लोगों को दीपावली, दीपावली पाड़वा और भाऊबीज की शुभकामनाएं दी। दीपावली की खुशी और उत्साह मनाते हुए, कुछ जगहों पर आतिशबाजी के कारण आग लगने की घटनाएं हुई हैं। इसका ध्यान रखते हुए और दीपावली के पवित्र त्योहार को सावधानी से मनाने की अपील करते हुए, रामदास आठवले ने दीपावली की शुभकामनाएं दीं। दिवाली के मौके पर, हिंदू, मुस्लिम सभी धर्मों के लोग एक साथ मिलकर जश्न मनाते हैं, जैसे हिंदू भी ईद के मौके पर मुस्लिम भाई-बहनों की खुशी में शामिल होते हैं। मैं एक बौद्ध हूं। मैं सभी हिंदुओं और मुसलमानों को त्योहार की शुभकामनाएं देता हूं। पत्रकार परिषद में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया मुंबई के अध्यक्ष सिद्धार्थ कसारे, जिला अध्यक्ष प्रकाश जाधव, अल्पसंख्यक आघाड़ी मुंबई के अध्यक्ष सोहेल शेख और अन्य लोग मौजूद थे।

सरनाईक परिवार ने आदिवासी भाई-बहनों के साथ मनाई दिवाली, बांटी खुशियां और स्नेह का संदेश

- छात्रों को शैक्षणिक सामग्री और जरूरतमंद परिवारों को दिवाली राशन वितरित; आदिवासी परिवारों के साथ बैठकर किया नाश्ता

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। दिवाली का त्योहार केवल अपने परिवार के साथ खुशियां मनाने का ही नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को इस खुशी में शामिल करने का भी पर्व है। इसी मानवीय भावना का परिचय देते हुए महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालकमंत्री प्रताप सरनाईक ने अपने परिवार के साथ 146 ओवला-माजीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के घोड़बंदर रोड स्थित पंखंडा में आदिवासी भाई-बहनों और कृषि श्रमिक परिवारों के साथ दिवाली का त्योहार मनाया। इस अवसर पर सरनाईक परिवार ने आदिवासी समुदाय के लोगों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कर सामाजिक सद्भाव, भाईचारे और मानवता का अनूठा संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री प्रताप सरनाईक ने आदिवासी भाई-बहनों से आत्मीयता के साथ बातचीत की और उनके परिवारों की स्थिति एवं समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान पार्षद परिशा प्रताप सरनाईक ने आदिवासी



कलाकारों के साथ पारंपरिक तारपा नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिया। समाज के जरूरतमंद वर्गों तक दिवाली की खुशियां पहुंचाने के उद्देश्य से आदिवासी समुदाय के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई, जबकि जरूरतमंद परिवारों को दिवाली के लिए राशन सामग्री प्रदान की गई। इसके बाद सरनाईक परिवार ने आदिवासी परिवारों के साथ बैठकर दिवाली के पारंपरिक नाश्ते का आनंद लिया। इस आत्मीय आयोजन से जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के बीच पारिवारिक संबंधों को मजबूती मिली। इस अवसर पर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि दिवाली की असली खुशी तभी है, जब समाज के हर वर्ग तक त्योहार का आनंद पहुंचे। दूसरों को अपनी खुशियों में शामिल करना, उनके चेहरों पर मुस्कान लाना और उनके सुख-दुख में सहभागी बनना ही हमारी संस्कृति की सच्ची सीख है। आदिवासी भाई-बहनों के साथ दिवाली मनाकर जो आनंद मिला, उसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। विद्यार्थियों के चेहरों पर उत्साह और परिवारों के चेहरों पर संतुष्टि ही हमारे लिए दिवाली का सबसे बड़ा उपहार है। उन्होंने आगे कहा कि त्योहार और उत्सव समाज के लोगों को एकजुट करने तथा आपसी रिश्तों को मजबूत बनाने का माध्यम हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सामाजिक प्रतिबद्धता निभाते हुए समाज के अंतिम छोर पर खड़े जरूरतमंद लोगों तक सहायता और खुशियां पहुंचाना है। सरनाईक परिवार की इस पहल ने दिवाली के अवसर पर सामाजिक एकता, मानवीय संवेदना और आपसी भाईचारे का प्रेरणादायी संदेश दिया। वास्तव में, दूसरों के जीवन में खुशियां बांटना ही त्योहार मनाने की सबसे सुंदर परंपरा है।

बलिप्रतिपदा पर होती है राजा बलि की शक्ति की पूजा, 50 वर्षों से खोणी गांव में निभाई जा रही अनूठी परंपरा

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। दीपावली में लक्ष्मी पूजन के अगले दिन मनाई जाने वाली बलिप्रतिपदा को ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष महत्व दिया जाता है। इस दिन को नए वर्ष के रूप में मनाने के साथ ही किसानों के राजा बलिराजा की शक्ति की पूजा की जाती है। भिवंडी के समीप खोणी गांव में पिछले 50 वर्षों से इस अवसर पर एक अनोखी परंपरा निभाई जा रही है। गांव निवासी बलिराम पाटिल अपने पिता और काका से मिली इस परंपरा को पिछले पांच दशकों से आगे बढ़ा रहे हैं। बलिप्रतिपदा के दिन सूर्योदय से पहले खेत से पांच से सात फीट ऊंचा अंबाड़ी का पौधा लाकर विधिवत पूजा-अर्चना के बाद घर के आंगन में लगाया जाता है। इसके बाद गांव के युवक और नागरिक सामूहिक रूप से उस पौधे को उखाड़ने का प्रयास करते हैं, लेकिन कई लोगों के पूरी ताकत लगाने के बावजूद पौधा अपनी जगह से नहीं हिलता। इस अनोखी चुनौती को लेकर गांव के युवक मित्र मंडल ने पौधा उखाड़ने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा भी की है। इसके बावजूद आज



तक कोई भी इस पौधे को उखाड़ने में सफल नहीं हो सका है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दानवीर राजा बलि ने भगवान विष्णु के वामन अवतार को तीन पग भूमि दान में दी थी। भगवान विष्णु ने दो पग में पृथ्वी और स्वर्ग नाप लिया तथा तीसरा पग राजा बलि के सिर पर रखकर उन्हें पाताल लोक भेज दिया। मान्यता है कि भगवान विष्णु ने राजा बलि को वरदान दिया था कि उनकी शक्ति पाताल में एकत्रित रहेगी और बलिप्रतिपदा के दिन उनकी पूजा की जाएगी। आज के विज्ञान युग में भी खोणी गांव की यह अनूठी परंपरा लोगों के लिए आकर्षण और कौतूहल का विषय बनी हुई है।

बोईसर में लगातार दो दिन हुई आग की घटनाएं,नागरी सुरक्षा स्वयंसेवक डॉ. रवींद्र मिश्रा की तत्परता से टला बड़ा हादसा

पालघर(उत्तरशक्ति)। बोईसर क्षेत्र में 8 और 9 नवंबर को लगातार दो दिनों तक आग लगने की घटनाएं सामने आईं। पहली घटना मान ग्राम पंचायत क्षेत्र स्थित आस्वाद सॉस कंपनी परिसर में हुई, जबकि दूसरी घटना महावीर चेंबर्स के पास एक कार में आग लगने की थी। दोनों ही घटनाओं में महाराष्ट्र नागरी संरक्षण दल के तारापुर विभाग के स्वयंसेवक डॉ. रवींद्र दयाराम मिश्रा ने तत्परता दिखाते हुए राहत एवं बचाव कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

8 नवंबर को कंपनी परिसर में आग लगने के बाद डॉ. मिश्रा ने वाहनों को सुरक्षित स्थान पर हटाने, नागरिकों को दूर करने और अग्निशमन दल के लिए रास्ता साफ करने में मदद की। परिसर में प्लास्टिक की बोतलें, बैरल और गैस सिलेंडर होने से आग फैलने का खतरा था। अग्निशमन दल की मदद



से आग पर काबू पाया गया। वहीं 9 नवंबर को सुबह करीब 11:50 बजे महावीर चेंबर्स परिसर में एक कार में अचानक आग लग गई। डॉ. मिश्रा ने तत्काल अग्निशामक यंत्र की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। बाद में आसपास की दुकानों से पानी उपलब्ध कराकर आग पर नियंत्रण पाने में मदद की। कार मालिक विवेक सिंह ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया। लगातार दो दिनों में दिखाई गई इस तत्परता से नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण और आपातकालीन सेवाओं में उनकी अहम भूमिका सामने आई है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने वाहनों में अग्निशामक यंत्र रखें तथा आग लगने की स्थिति में 101 या 112 पर तत्काल संपर्क करें।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बस की टक्कर से महिला की मौके पर मौत, पति घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के फतेहगंज बाजार स्थित पुलिया पर बुधवार 11 नवंबर को दोपहर करीब एक बजे दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मछलीशहर से जौनपुर जा रही बस ने बाइक सवार दंपती को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति घायल हो गया। घटना के बाद बस चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिकरारा थाना क्षेत्र के सीठापुर गांव निवासी शहनाज (35) अपने पति असगर के साथ घर से दवा लेने जौनपुर जा रही थीं। जैसे ही दोनों फतेहगंज बाजार स्थित पुलिया पर पहुंचे, तभी पीछे से आ रही बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि शहनाज की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, पति असगर के हाथ और पैर में चोटें आईं।

हादसे की सूचना मिलते ही फतेहगंज हल्का प्रभारी सकलदीप

हादसे के बाद बस लेकर चालक फरार

सिंह और कांस्टेबल अंकुश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए 108 एंबुलेंस से भेज दिया। वहीं, फरार बस चालक की तलाश और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

ससुर की मौत के दस दिन बाद परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़: बताया जाता है कि शहनाज अपने पति असगर और तीन बच्चों के साथ मुंबई में रहती थीं। करीब दस दिन पहले उनके ससुर लाल मोहम्मद की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। उनके निधन पर पूरा परिवार मुंबई से अपने पैतृक गांव सीठापुर आया हुआ था। परिवार अभी इस दुख से उबर भी नहीं पाया था कि सड़क हादसे ने एक और बड़ा दुख दे दिया।

शहनाज के तीन बच्चे हैं। इनमें सबसे बड़ी बेटी 18 वर्ष की है, जबकि दो बेटों की उम्र 14 और 8 वर्ष है। मां की अचानक मौत से बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिवार में मातम पसरा हुआ है। फिलहाल पुलिस फरार बस चालक की तलाश में जुटी है।

आजमगढ़ के कटौली बुजुर्ग की बेटी डॉ.अरीबा गुलाम रब्बानी ने एफएमजीई परीक्षा में लहराया परचम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बेटियां यदि दृढ़ संकल्प, मेहनत और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाएं तो कोई भी मंजिल उनके लिए मुश्किल नहीं होती। इस बात को चरितार्थ करते हुए डॉ. अरीबा गुलाम रब्बानी ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर अपने परिवार के साथ-साथ अपने पैतृक गांव और दोनों जनपदों का नाम रोशन किया है। उन्होंने फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन (FMGE) में 300 में से 153 अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है और गांव सहित क्षेत्र के लोगों में हर्ष व्याप्त है।

डॉ. अरीबा गुलाम रब्बानी मूल रूप से जनपद आजमगढ़ के लालगंज क्षेत्र स्थित कटौली बुजुर्ग गांव की निवासी हैं। वर्तमान में उनका निवास जौनपुर शहर के मुल्लाह टोला, वार्ड नंबर 35, हुमा मस्जिद के निकट है। आजमगढ़ के ग्रामीण परिवेश से निकलकर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने वाली डॉ. अरीबा की सफलता क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा का विषय बन गई है। उनकी इस उपलब्धि से आजमगढ़ और जौनपुर दोनों जनपदों में परिवार के शुभचिंतकों के बीच खुशी की लहर है।

पिता ने बेटी की उपलब्धि पर जताया गर्व- इस संबंध में जब डॉ. अरीबा के पिता डॉ. गुलाम रब्बानी खान से दूरभाष के माध्यम से बातचीत की गई तो उन्होंने भावुकता और गर्व के साथ कहा कि अरीबा मेरे गांव की पहली बेटी है, जिसने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करके पूरे गांव और जनपद का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि बेटी की इस सफलता से परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे गांव में

153 अंक हासिल कर बढ़ाया गांव और जनपद का मान, एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद एफएमजीई परीक्षा में हासिल की सफलता

गांव की पहली बेटी बनीं डॉक्टर, पिता डॉ.गुलाम रब्बानी खान बोले-बेटी की कामयाबी से पूरे गांव का सिर गर्व से ऊंचा हुआ

खुशी का माहौल है। यह उपलब्धि हमारे लिए बेहद गर्व और सम्मान की बात है।

डॉ. गुलाम रब्बानी खान ने कहा कि गांव की बेटी का चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में इस मुकाम तक पहुंचना अन्य बच्चियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। इससे ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को पूरा करने का हौसला मिलेगा।

क्या है एफएमजीई परीक्षा?- उल्लेखनीय है कि फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन (FMGE) विदेश से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने वाले भारतीय विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाने वाली महत्वपूर्ण स्क्रीनिंग परीक्षा है। इसका आयोजन नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशंस इन मेडिकल साइंसेज (NBEMS) द्वारा किया जाता है। इस परीक्षा



में कुल 300 अंक निर्धारित होते हैं और उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 150 अंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। डॉ. अरीबा ने 153 अंक हासिल कर इस परीक्षा में निर्धारित योग्यता प्राप्त की है।

बेटियों के लिए बनीं प्रेरणा- डॉ. अरीबा की सफलता ग्रामीण परिवेश की उन बेटियों के लिए भी प्रेरणादायक है, जो उच्च शिक्षा और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में आगे बढ़ने का सपना देखती हैं। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि बेटियों को शिक्षा और अवसर मिले तो वे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकती हैं।

चिकित्सा का पेशा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता की सेवा, जिम्मेदारी और समर्पण से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। एफएमजीई परीक्षा में सफलता हासिल करना डॉ. अरीबा के चिकित्सा क्षेत्र के सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। निर्धारित नियामकीय प्रक्रिया और पंजीकरण पूरा करने के बाद वह आगे चिकित्सा सेवाओं की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगी।

उनकी इस उपलब्धि पर परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, परिचितों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है। लोगों ने उम्मीद जताई कि डॉ. अरीबा भविष्य में चिकित्सा क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और सेवाभाव से समाज की सेवा करेंगी तथा अपने गांव और जनपद का नाम रोशन करती रहेंगी।

आजमगढ़ की मिट्टी में पली-बढ़ी और जौनपुर में रह रहीं डॉ. अरीबा गुलाम रब्बानी की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा किसी शहर या गांव की मोहताज नहीं होती। जरूरत होती है केवल अवसर, मेहनत और मजबूत इरादों की।

रिपोर्ट: डॉ.इम्तियाज अहमद
उप सम्पादक
उत्तरशक्ति (हिन्दी दैनिक)
जनपद जौनपुर, उत्तर प्रदेश।

संविधान की रक्षा एवं नागरिकों को जागरूक करने के लिए मछलीशहर ब्लॉक में निकली जागरूकता रैली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संविधान की प्रस्तावना, मूल उद्देश्यों एवं नागरिकों के मूल कर्तव्यों के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा



संविधान की रक्षा का संकल्प दिलाने के उद्देश्य से विकासखंड मछलीशहर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा ब्लॉक मछली शहर से ताजुद्दीनपुर तक जागरूकता रैली निकाली गई।

रैली के माध्यम से आमजन को संविधान के महत्व, उसमें दिए गए अधिकारों तथा नागरिकों के कर्तव्यों की जानकारी दी गई। साथ ही देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को बनाए रखने का संदेश दिया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लोगों से संविधान के प्रति सम्मान रखते हुए अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने की अपील की।

यह जागरूकता रैली खंड विकास अधिकारी अंजलि भारती के निर्देशन में आयोजित की गई। इसमें पंचायत ब्लॉक कोऑर्डिनेटर, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) एवं समस्त सफाई कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) सुशील उपाध्याय, एवं इंद्रजीत पाल, ओमप्रकाश यादव, राजेंद्र पाल, पवन गौतम, हसन अली, अखिलेश कुमार, लालमणि गौतम, साह अहमद सहित सैकड़ों अधिकारी, कर्मचारी एवं सफाईकर्मी उपस्थित रहे। रैली के माध्यम से संदेश दिया गया कि संविधान केवल अधिकारों का दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की एकता, समानता, स्वतंत्रता और न्याय की मजबूत आधारशिला है। इसकी रक्षा करना और इसके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। इस अवसर पर महान सामाजिक कार्यकर्ता जज सिंह अन्ना भी मौजूद रहे ।

हाईवे पर ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवती की मौके पर हुई दर्दनाक मौत, युवक घायल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया स्थानीय थाना क्षेत्र के पंडितपुर गांव के पास नेशनल हाईवे पर बुधवार को सड़क हादसे में बाइक सवार शिवानी नामक 18 वर्षीय युवती की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी तथा बाइक चालक किशन यादव उम्र 22 वर्ष नामक युवक घायल हो गया। मोहनसराय की तरफ से अखरी की ओर जा रहे थे इसी दौरान बगल से जा रहे बाइक की टक्कर से बाइक सवार युवक युवती दोनों सड़क पर गिर पड़े तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने युवती को कुचलते हुए फरार हो गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मिजार्पुर जिले के कछवां थाना क्षेत्र के केवटाबीर निवासी किशन यादव अपने पड़ोस के परिचित शिवानी के साथ बाइक से वाराणसी की तरफ जा रहे थे। पंडितपुर गांव के पास हाईवे पर बगल से जा रहे बाइक से किशन यादव के बाइक की हैंडल से टकरा गया जिससे किशन यादव असंतुलित होकर बाइक शिवानी और किशन सड़क पर गिर गए। किशन सड़क के किनारे गिर कर घायल हो गया तथा शिवानी सड़क के बीच में गिर गई जिसके दौरान पीछे से आ रहे ट्रक शिवानी को रौदते हुए मौके से फरार हो गया।सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची रोहनिया पुलिस ने एंबुलेंस द्वारा घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा और युवती के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनो मे कोहराम मच गया। परिजन रोहनिया थाने पहुंचे।मृतक शिवानी तीन बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी थी। वह कक्षा 11 की छात्रा थी।

श्रीराम के आदर्श और इस्लाम की शिक्षाएं देती हैं इंसानियत का संदेश: मोहम्मद अरशद खान

14 नवंबर को जौनपुर में होगी विशेष संगोष्ठी, सभी धर्मों के लोगों को आमंत्रण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन त्याग, प्रेम, समर्पण और भाईचारे की मिसाल है। इस्लाम की मानवीय शिक्षाएं भी प्रेम, करुणा, न्याय और आपसी सम्मान का संदेश देती हैं। धर्म भले अलग हों, लेकिन इंसानियत का संदेश एक है।

उन्होंने बताया कि 14 नवंबर 2026, शनिवार को सुबह 11 बजे पीडीए भवन, लड्डन कॉलोनी, कटघरा, जौनपुर में महाराजा अग्रसेन उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में 'श्रीराम चंद्र जी और उनका परिवार इस्लाम के आईने में' विषय पर विशेष संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।



मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि संगोष्ठी का उद्देश्य गंगा-जमुनी तहजीब, धार्मिक सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूत करना है। भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और भरत के जीवन से त्याग, प्रेम, पारिवारिक मयार्दा और समर्पण की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों की महान शिक्षाओं का मूल आधार मानवता और आपसी भाईचारा है।

उन्होंने बताया कि जौनपुर से शुरू होने वाली इस पहल को आगे अयोध्या सहित देश के विभिन्न शहरों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने सभी धर्मों के धर्मगुरुओं, उलेमाओं, साधु-संतों, बुद्धिजीवियों, युवाओं और आम नागरिकों से 14 नवंबर को संगोष्ठी में शामिल होने की अपील की।

मकान का दीवार गिरने से तालाब में समाया परिवार, दो बच्चियों की मौत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। रोहनिया थाना क्षेत्र के अखरी पुलिस चौकी के बच्छाव गांव में दर्दनाक घटना हुई है। गांव के पश्चिमपुरा में अय्युदीन उर्फ कल्लू अपने परिवार के साथ तालाब किनारे मकान बनाकर रहते हैं। इनके साथ चार भाई का परिवार भी रहता है। बीती रात कमरे के बाहर लगे टीन शेड में अय्युदीन उर्फ कल्लू, पत्नी तबस्सुम, बेटा अख्तर, बेटी रोशनी (8 वर्ष), आफिया (6 वर्ष), फलक (4 वर्ष) सोए थे। देर रात में तालाब के तरफ की दीवार अचानक गिर गई, जिससे चौकी पर सो रहे परिजन तालाब के अंदर चले गए।

किसी तरह और अय्युदीन उर्फ कल्लू, तबस्सुम, अख्तर, रोशनी बाहर निकल आए। वहीं आफिया और फलक तालाब में अंदर चली गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एनडीआरएफ को सूचना दी। रात होने के कारण ग्रामीण और पुलिस भी तालाब में ज्यादा पानी होने के कारण विवश थे।

मौके पर पहुंची एनडीआरएफ की टीम ने सुबह आफिया और फलक को खोजकर पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों बच्चियों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एक साथ घर की दो मासूम बेटियों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। मां तबस्सुम अपनी दोनों बच्चियों को खोने के गम में बार-बार गश खाकर बेहोश हो जा रही हैं, जिन्हें आसपास की महिलाएं ढांढस बंधाने का प्रयास कर रही हैं।

इस आकस्मिक त्रासदी ने पूरे बच्छाव गांव को झकझोर कर रख दिया है। डीसीपी राजेश कुमार पांडेय ने बताया की पुलिस फोर्स मौके पर है।

पेट्रोल पंप से 1.27 लाख रुपए लेकर नोजल मैन फरार

सिंगरामऊ में मैनेजर ने थाने में दी तहरीर, पुलिस जांच कर रही

सिंगरामऊ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तुरकौली स्थित चेतक फिलिंग स्टेशन से नोजल मैन करीब 1 लाख 27 हजार 350 रुपये लेकर चला गया। पेट्रोल पंप के मैनेजर पंकज कुमार सिंह ने सिंगरामऊ थाने में लिखित तहरीर देकर केस दर्ज करने की मांग की है। तहरीर के मुताबिक, चंदन कुमार पुत्र नन्हकु सहनी, निवासी कौड़िया मोड़, कोरिया, जिला पूर्वी चंपारण (बिहार), 7 नवंबर 2026 से पेट्रोल पंप पर नोजल मैन के पद पर काम कर रहा था।

आरोप है कि 8 नवंबर 2026 को शाम करीब 6:45 बजे वह पेट्रोल पंप की मशीन नंबर दो के चारों नोजल की बिक्री के करीब 1,27,350 रुपये बिना किसी को बताए लेकर चला गया। मैनेजर के मुताबिक, घटना के बाद कर्मचारी का मोबाइल नंबर बंद मिला। उन्होंने पेट्रोल पंप के अन्य कर्मचारियों के साथ उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने थाने में लिखित सूचना देकर केस दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई की मांग की। सिंगरामऊ थाना प्रभारी अखिलेश मौर्य ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आतंकवाद के आरोप से बरी शरीफ की खजुरिया थाना रामपुर के पास हत्या पर रिहाई मंच ने उठाया सवाल

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। आतंकवाद के आरोप में 17-18 साल जेल काटकर हाईकोर्ट से बरी हुए 65 वर्षीय शरीफ की रामपुर में हत्या पर रिहाई मंच ने पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

रिहाई मंच अध्यक्ष एडवोकेट मुहम्मद शुऐब ने बताया कि शरीफ के भाई शाहीन ने उन्हें बताया कि कल दोपहर कई बार शरीफ को थाने बुलाने के लिए पुलिस का फोन आया। साढ़े चार बजे के करीब जब वह खजुरिया थाने पहुंचे तो फोन कर बुलाने वाले कांस्टेबल बंटी और एसएचओ मनोज कुमार पाण्डेय दोनों ही थाने पर मौजूद नहीं मिले। करीब साढ़े पांच बजे तक इंतजार के बाद वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने कहा कि बाद में आ जाना।

थाने से करीब पांच सौ मीटर की दूरी पर ही पहुंचे थे कि बाइक से जा रहे शरीफ पर बाइक सवार हमलावरों ने गोली चला दी, जिसमें उनकी मौत हो गई।

एडवोकेट शुऐब ने सवाल किया कि जिस तरह दबाव बनाकर शरीफ को थाने बुलाया गया और बुलाने वाले एसएचओ व फोन करने वाले कांस्टेबल की गैरमौजूदगी और उसके बाद थाने से चंद दूरी पर हत्या पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाती है। आतंकवाद के आरोप में 17-18 साल जेल काटकर हाईकोर्ट से बरी व्यक्ति को थाने बुलाया जाना और फिर हत्या गंभीर साजिश की तरफ इशारा करती है।

उन्होंने कहा कि आखिर जिस एसएचओ और कांस्टेबल ने उसे बुलाया, वे बुलाकर थाने पर क्यों नहीं मिले और थाने से निकलने की जानकारी हमलावरों को किसने दी, यह जांच का विषय है। ये परिस्थितियां पुलिस की घटना में संलिप्तता की ओर इशारा करती हैं, जो कानून व्यवस्था के लिए बेहद खतरनाक है। ऐसे में तत्काल घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

तिलवारी हत्याकांड: पूर्व विधायक ओमप्रकाश बाबा दुबे ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात, न्याय दिलाने की उठाई मांग

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील क्षेत्र के ग्राम तिलवारी निवासी नीरव सिंह की निर्मम हत्या से इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। घटना को लेकर राजनीतिक और सामाजिक लोगों द्वारा पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने का सिलसिला जारी है।



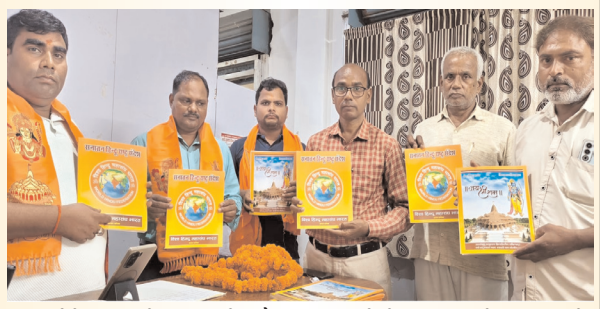
इसी क्रम में पूर्व विधायक ओमप्रकाश बाबा दुबे ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि इस दुख की घड़ी में वे उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने नीरव सिंह की हत्या को बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए पुलिस प्रशासन से मामले में शीघ्र और निष्पक्ष कार्रवाई करने की मांग की।

पूर्व विधायक ने कहा कि घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाने की अपील की। इस दौरान उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की।

डॉ.रमेश यादव बने विश्व हिंदू महासंघ प्रदेश मंत्री, हुआ जोरदार स्वागत

कहा जिस दिन 70 प्रतिशत हिन्दू जाग गया, उस दिन भारत होगा हिन्दू राष्ट्र

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व हिंदू महासंघ के नई कार्य कारिणी में शाहगंज क्षेत्र अतरडीहा निवासी डॉक्टर रमेश यादव को प्रदेश मंत्री पद पर



चयन होने पर उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने बुधवार को शाहगंज के तहसील स्थित एक होटल पर भव्य और जोरदार स्वागत किया।

समर्थकों ने प्रदेश मंत्री डॉक्टर रमेश यादव को फूल मालाओं से लाद दिया। और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। उक्त मौके पत्रकारों से वार्ता के दौरान नव नियुक्त प्रदेश मंत्री डॉक्टर रमेश यादब ने कहा की हमारा संगठन पहले भी जरूरतमन्दों और पीड़ितों की सेवा और सहायता करता चला आ रहा है और आगे भी करता रहेगा।प्रदेश के मुख्यमंत्री महाराज योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देशन में सामाजिक कार्य जारी रहेंगे।एक सवाल के जवाब में श्री यादव ने कहा की जिस दिन भारत 70 प्रतिशत हिन्दू जाग गया।उस दिन भारत हिन्दू राष्ट्र होगा।

इस अवसर पर जौनपुर गो रक्षा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष आशीष तिवारी,संगठन के सुल्तानपुर जिलाध्यक्ष अरुण राजभर,कोषाध्यक्ष उदय प्रकाश राजभर, जिला उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह,जिला प्रभारी जौनपुर चंदन यादव सहित आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

हजारों जरूरतमंद परिवारों को मिठाई बांटकर केडीआर फाउंडेशन ने मनाई दीपावली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मानवता की सेवा (निशुल्क और बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की मदद करना) ही जीवन का सबसे बड़ा धर्म और सबसे सच्ची ईश्वर की पूजा है। इसी भावना और सोच के साथ समाजसेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही संस्था केडीआर फाउंडेशन ने विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी हजारों जरूरतमंद परिवारों को मिठाई बांटकर दीपावली मनाई। बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित कठार गांव निवासी विनोद आर सिंह ने इस संस्था का गठन किया है । संस्था के माध्यम से प्रतिवर्ष केडीआर हाउस में सैकड़ो लोगों का नेत्र परीक्षण किया जाता है। जिन लोगों को ऑपरेशन की जरूरत होती है, उनका ऑपरेशन भी कराया जाता है। कठार गांव के केडीआर हाउस के अलावा बदलापुर बाजार के आसपास स्थित अनेक गांवों में



जरूरतमंद लोगों को मिठाई का वितरण किया गया। यह सराहनीय कार्य मुख्य कार्यकर्ता अमरधारी सिंह के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।भानु प्रताप सिंह, त्रिभुवन नाथ सिंह, अशोक सिंह, विनय सिंह, विकास सिंह, सौरभ सिंह, तुषार सिंह, सुयोग सिंह, आयुष सिंह, रुद्र प्रताप सिंह, अमन यादव, सुंदरम जायसवाल, छोटू गुप्ता समेत अनेक कार्यकताओं ने इस नेक काम में अपना हाथ बंटाया।

एलटी संवर्ग से प्रवक्ता पद पर पदोन्नति जल्द पूरी कराने की मांग, 13 नवंबर को अधिकारियों की बैठक

ऑनलाइन पदस्थापन का विकल्प देने सहित शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर राजकीय शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजकीय शिक्षक संघ, उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने महानिदेशक मोनिका रानी एवं शिक्षा निदेशक माध्यमिक प्रताप सिंह बघेल से मुलाकात कर शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। संघ ने एलटी संवर्ग से प्रवक्ता संवर्ग में लंबित पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराने तथा पदोन्नति के बाद शिक्षकों को ऑनलाइन पदस्थापन का विकल्प देने की मांग की। इसके अलावा राजकीय माध्यमिक शिक्षकों को एसीपी का लाभ, 4 प्रतिशत विभागीय कोटे में ऑफलाइन स्थानांतरण और उत्तराखंड से आए शिक्षकों की ज्येष्ठता संबंधी विवाद का स्थायी समाधान करने की मांग



भी उठाई। वार्ता के बाद शिक्षा निदेशक ने अपर शिक्षा निदेशक (राजकीय) अजय कुमार द्विवेदी को निर्देश दिया कि वे 13 नवंबर 2026 को संबंधित अधिकारियों, आवश्यक अभिलेखों एवं सूचियों के साथ निदेशालय में उपस्थित रहें, ताकि लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जा सके।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में अधिकृत राजकीय शिक्षक संघ की स्थापना की मांग भी रखी। इस अवसर पर संघ के 66वें अधिवेशन में स्वीकृत संविधान के पंचम संस्करण की प्रति शिक्षा निदेशक को भेंट की गई।

प्रतिनिधिमंडल में प्रांतीय अध्यक्ष अशोक कुमार गौतम, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. सत्यम शिवम सुन्दरम, महामंत्री डॉ. अशोक कुमार अवाक, मुकेश चंद्र एवं अजय कुमार सिंह शामिल रहे।



पालघर कलेक्टर कार्यालय में दिशा समिति की समीक्षा बैठक संपन्न



पालघर। जिला नियोजन भवन, जिला कलेक्टर कार्यालय, पालघर में बुधवार, 4 नवंबर 2026 को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की समीक्षा बैठक पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, उनकी वर्तमान स्थिति, विकास कार्यों की प्रगति तथा लंबित परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान योजनाओं को लागू करने में आ रही समस्याओं और प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक सुधारों पर भी चर्चा हुई। सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचना चाहिए। विकास कार्यों में तेजी लाने के साथ-साथ विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखना भी आवश्यक है। बैठक में पालघर जिले के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

जफराबाद पुलिस ने अवैध पिस्टल व कारतूस के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जफराबाद पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, 10 नवंबर की रात हौज के पास चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर आकाश उर्फ कल्लू चौहान पुत्र राजदेव चौहान निवासी मसूदपुर कबूलपुर, थाना जफराबाद को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक .32 बोर की पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मु0अ0सं0 293/26, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया।

सड़क के गड्ढे से बचने के प्रयास में दो बाइकों में भिड़ंत, एक की मौत, तीन गंभीर घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के जमुनीपुर गांव में दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में 40 वर्षीय राजीव कुमार उपाध्याय की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सड़क पर बने गड्ढे से बचने के प्रयास में दोनों बाइकों के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं, पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है।

सरपतहां पुलिस ने चोरी की तीन घटनाओं का किया खुलासा, दो शातिर चोर गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र में हुई चोरी की तीन घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक लिथियम बैटरी, दो मॉड्यूल और चोरी के 32 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 10 नवंबर को चोरी की घटनाओं के अनावरण के लिए पुलिस टीम क्षेत्र में भ्रमणशील थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर रामनगर मार्ग स्थित नहर की पुलिया के पास से दो वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नीरज पुत्र विनोद और सन्नी पुत्र अच्छेलाल निवासी काजीपुर, थाना सरपतहां, जौनपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी थाना सरपतहां में दर्ज चोरी के तीन मुकदमों (मु0अ0सं0 227/26, 231/26 और 300/26) में वांछित थे। दोनों के खिलाफ इन मुकदमों में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

सजने लगे घाट, संवरने लगे बाजार; छठ की भक्ति में डूबने लगी काशी

सुरेश गांधी

वाराणसी। लोकआस्था के महापर्व छठ की अगवानी में पूरा शहर धीरे-धीरे उत्सव के रंग में रंगने लगा है। कहीं घरों में व्रत की तैयारियां आकार ले रही हैं तो कहीं बाजारों में खरीदारी की चहल-पहल बढ़ गई है। कोई बांस के सूप, दउरा और डलिया खरीदने में जुटा है तो कोई पूजन सामग्री, फल, नारियल, गन्ना और अन्य जरूरी सामान की व्यवस्था कर रहा है। उधर, गंगा घाटों से लेकर तालाबों और मोहल्लों के पोखरों तक सफाई, मरम्मत और व्यवस्था बनाने की कवायद तेज होने लगी है। घरों में बजते छठ के पारंपरिक गीतों ने इस पूरे माहौल में भक्ति, उल्लास और आत्मीयता का ऐसा रंग घोल दिया है कि हर तरफ छठ की आहट महसूस होने लगी है।

यह पर्व केवल पूजा की तैयारी नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता और पारिवारिक एकजुटता का भी उत्सव है। इसकी दस्तक के साथ ही घर-आंगन से लेकर बाजार और घाटों तक लोगों की दिनचर्या में बदलाव दिखाई देने लगा है। जिन घरों में छठ व्रत रखा जाता है, वहां अभी से शुद्धता, सात्विकता और परंपराओं के पालन को लेकर विशेष सावधानी बरती जा रही है। महिलाएं पूजन सामग्री की सूची तैयार कर रही हैं तो परिवार के दूसरे सदस्य बाजारों से सामान जुटाने और घाटों पर व्यवस्था देखने में लगे हैं। छठ की तैयारियों की सबसे मनमोहक तस्वीर घरों से सुनाई देने वाले पारंपरिक गीतों में दिखाई दे रही है। सुबह की शुरूआत हो या शाम का सुकून भरा वक्त, कहीं लाउडस्पीकर पर तो कहीं मोबाइल और टेलीविजन पर छठ के गीत गूंज रहे हैं। 'केलवा के पात पर उगेलन सूरजमल झांके-झुके', 'कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए' और 'उग हे सूरज देव भइल अरघ के बेर' जैसे गीत वातावरण में श्रद्धा और उल्लास का संचार कर रहे हैं। इन गीतों की खासियत यह है कि ये केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही लोकपरंपरा की जीवंत विरासत हैं। इनके बोलों में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, संतान की मंगलकामना, परिवार की सुख-समृद्धि और सूर्योपासना का भाव समाहित है। बिहार, पूर्वांचल और झारखंड से निकलकर देश-दुनिया में बसे भारतीयों के घरों तक पहुंच चुके ये गीत छठ की सांस्कृतिक पहचान बन गए हैं। विदेशों में रहने वाले भारतीय परिवार भी इन्हीं गीतों के सहारे अपनी मिट्टी और परंपरा से जुड़ाव महसूस करते हैं।



सुदामा नगर इंदौर स्थित अधिवक्ता संतोष मुंशीजी के आवास पर 10 नवंबर 2026 को दिपावली मिलन का आयोजन किया गया। जिसमें संतोष मुंशीजी, प्रदीप व्यास, परासर नाटा, गोविंद प्रसाद सोनी, दैनिक उत्तरशक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने एक दुसरे को दीपावली भाई दूज की शुभकामनाएं दी। छाया : उत्तरशक्ति

सुरों की महफिल में झूमे वसईकर, सुरेल दिवाली संध्या ने बनाई यादगार शाम



वसई। दीपावली की खुशियों में संगीत का रंग घोलते हुए भारतीय जनता पार्टी, वसई विधानसभा की ओर से सोमवार, 9 नवंबर 2026 को वसई गांव स्थित बर्वे एजुकेशन सोसाइटी के न्यू इंग्लिश स्कूल परिसर में सुरेल दिवाली संध्या का आयोजन किया गया। विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित की पहल पर आयोजित इस संगीतमय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वसईकरों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक केदार जोशी, लारिसा अल्मेडा और सौरभ म्हात्रे ने अपनी सुरीली आवाज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं प्रतीक बैन, नीलेश पाडेकर, ज्ञानेश केदार, धीरेश्वर गोरेगांवकर और अमित म्हात्रे ने वाद्ययंत्रों की शानदार प्रस्तुतियों से माहौल संगीतमय बना दिया।

इस अवसर पर ध्यान फाउंडेशन की संस्थापक एवं अध्यक्ष कीर्ति शेंडे और उनकी टीम सहित राहुल भंडारकर, कौशिक दिलीप जाधव, भारत भीकाजी प्रधान, मीत जैन, लिस्बन फेराओ, साहिल सिंह और रोहिणी पारधी को उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में पालघर सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, नालासोपारा विधायक राजन नाईक, वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सौरभ पवार, मनपा में विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, नगरसेविका निम्मी निपुण दोशी, अपर्णा पाटिल, दर्शना त्रिपाठी, सान्वी यांडे सहित भाजपा पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन विवेक पर्वते और कल्याणी मांडवेकर ने किया। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सभी अतिथियों, कलाकारों, पदाधिकारियों, कार्यकताओं और वसईकर नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। सुरेल दिवाली संध्या ने संगीत, मनोरंजन और सामाजिक एकता का सुंदर संदेश देते हुए वसईकरों को दीपावली की खुशियां एक साथ मनाने का यादगार अवसर प्रदान किया।

साइकिल पर सवार हुए पूर्व विधायक ओमप्रकाश बाबा दुबे, अरुण दुबे की अगुवाई में रामनगर से निकली भव्य बाइक रैली



दिलशाद अहमद सानू

बदलापुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति) । बदलापुर के पूर्व विधायक ओमप्रकाश बाबा दुबे बुधवार को साइकिल पर सवार होकर समर्थकों के बीच पहुंचे। उनके समर्थन में पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री एवं उनके पुत्र अरुण दुबे की अगुवाई में भव्य बाइक रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में समर्थकों और कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब एक बजे पूर्व विधायक ओमप्रकाश बाबा दुबे की ओर से कार्यक्रम की जानकारी दी गई। इसके बाद रामनगर चौराहे से डीजे की धुन के बीच बाइक रैली का शुभारंभ हुआ। रैली घनश्यामपुर और बटाऊबीर होते हुए आगे बढ़ी और देर शाम करीब चार बजे बदलापुर के इंदिरा चौक पहुंची। इंदिरा चौक पर समर्थकों ने पूर्व विधायक ओमप्रकाश बाबा दुबे और अरुण दुबे का माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। इसके बाद पूर्व विधायक साइकिल पर सवार होकर समर्थकों के साथ अपने आवास बाबा कुंज पहुंचे।

पूरे मार्ग में समर्थकों का उत्साह देखने को मिला। रैली के दौरान पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर मुस्तैद रहा।

मुंगेर में लौटी बड़े पर्दे की रौनक: छोटू महाराज सिनेमा बना शहर की नई पहचान

मुंगेर। शहर के मनोरंजन जगत में एक नया अध्याय जुड़ गया है। जमालपुर, सफियाबाद स्थित बिटशी सिने कैफे एन रेस्टोरेंट में शुरू हुआ छोटू महाराज सिनेमा आज मुंगेरवासियों के लिए मनोरंजन की नई सौगात बनकर सामने आया है। करीब एक दशक पहले जिले के सभी सिनेमा हॉल बंद हो जाने के बाद बड़े पर्दे पर फिल्म देखने का आनंद शहर से दूर हो गया था। अब सिनेमा, स्वादिष्ट व्यंजन और कैफे का अनुभव एक ही छत के नीचे उपलब्ध है। शहरवासियों का कहना है कि अब फिल्म देखने के लिए दूसरे जिलों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। परिवार, बच्चे और दोस्तों की टोली, सभी के लिए सहज और खुशनुमा माहौल के साथ यह सिनेमा हर वर्ग की पसंद बनता दिख रहा है।

सिनेमा हॉल बंद होने के बाद फिल्म के शौकीनों को आसपास के दूसरे जिलों का रुख करना पड़ता था, जहाँ पहुँचने के लिए 70 से 80 किलोमीटर तक का सफर तय करना पड़ता था। यह स्थिति शहर में मनोरंजन की सुविधा की कमी को साफ दशार्ती थी। इसी आवश्यकता को महसूस करते हुए संचालकों ने मुंगेर में सिनेमा और मनोरंजन की एक ऐसी सुविधा विकसित करने का सपना देखा, जो अब हकीकत बन चुका है। यह सपना केवल कल्पना बनकर नहीं रहा। दृढ़ संकल्प, पूर्ण निष्ठा, समर्पण और अटूट इच्छाशक्ति के साथ संचालकों ने इस दिशा में कदम बढ़ाया। इस पहल को साकार करने में शहर के आला अधिकारियों का बहुमूल्य सहयोग और मार्गदर्शन भी मिला। सभी के सहयोग, सकारात्मक सोच और सतत प्रयासों का ही परिणाम है कि आज मुंगेरवासियों को यह नई सुविधा मिल सकी है। संचालकों का उद्देश्य केवल एक मूवी हॉल खोलना नहीं, बल्कि ऐसा अनुकूल वातावरण देना है जहाँ पूरा परिवार या दोस्तों की टोली सहजता से मनोरंजन का आनंद ले सके। फिल्म के साथ स्वादिष्ट व्यंजन, बेहतरीन खाना और कैफे का अनुभव इस पहल की खास पहचान है। माता-पिता अपने बच्चों के साथ और युवा अपने दोस्तों के साथ, बिना दूर शहरों की यात्रा किए, अपने ही शहर में फिल्म और लजीज खाने का आनंद लेकर खूबसूरत यादें संजो सकेंगे।

पीएम मोदी व गृहमंत्री अमित शाह से क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव के मुलाकात से पूर्वांचल की राजनीति गरमाई



गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय क्रिकेट के सूर्यकुमार यादव की देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की खबर से पूर्वांचल सहित पूरे यूपी की राजनीति गरमा गयी है। भाजपा के चाणक्य गृहमंत्री अमित शाह ने सूर्यकुमार यादव से काफी देर तक अकेले में बातें की। इस वार्ता की चर्चा पूरे पूर्वांचल में फैल रही है कि अमित शाह सूर्यकुमार यादव के सहारे पूर्वांचल के यदुवंशियों में अपनी पैठ बनायेंगे और सपा का किला ध्वस्त करने का प्रयास करेंगे। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को पश्चिम के सीटों पर सफलता मिली लेकिन पूर्वांचल के सीटों में उन्हे हार का सामना करना पड़ा। इस डैमेज को कंट्रोल करने के लिए अमित शाह लगातार मंथन कर रहे हैं। सूर्यकुमार यादव का पैतृक गांव गाजीपुर जिले के सैदपुर तहसील में हथौड़ा गांव है, जहां पर इनके दादा विक्रम यादव आज भी अपने पूरे परिवार के साथ खेतीबारी कर जीवनयापन करते हैं। सूर्यकुमार के पिता अशोक कुमार यादव मुंबई में इंजीनियर थे और उनकी माता सपना यादव गृहणी हैं। सूर्यकुमार यादव के पैतृक गांव जिला और प्रदेश होने के नाते यूपी और गाजीपुर के लोग उनसे काफी स्नेह रखते हैं। सूर्यकुमार यादव पूरे देश में लोकप्रिय हैं लेकिन यूपी और गाजीपुर में उनके शुभचिंतक उनपर अपनी जान न्यौछावर करते हैं। सपा का किला भेंदने के लिए भाजपा के चाणक्य ने बहुत ही सधी और दूरदृष्टि राजनीतिक चाल चली है कि गाजीपुर या पूर्वांचल के किसी भी सीट से विधानसभा 2027 के चुनाव में सूर्यकुमार यादव को उतार कर पूर्वांचल में डैमेज को कंट्रोल किया जा सकता है।

शिक्षक एमएलसी लाल बिहारी यादव की जीत पर पैतृक गांव में जश्न, समर्थकों ने किया भव्य स्वागत



मेंहनगर (आजमगढ़)। वाराणसी शिक्षक खंड से दूसरी बार विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) निर्वाचित हुए लाल बिहारी यादव की जीत पर उनके पैतृक गांव बिशुनपुरा में जश्न का माहौल देखने को मिला। गोवर्धन पूजा के अवसर पर समर्थकों और शुभचिंतकों ने गांव पहुंचकर उन्हें बधाई दी और सम्मानित किया। सोमवार को उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल उनके पैतृक गांव पहुंचा। इस दौरान लाल बिहारी यादव का अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर कैलाश चंद्रधारी यादव ने कहा कि विषम परिस्थितियों में लाल बिहारी यादव की यह जीत ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह सफलता उनके अथक प्रयासों, कार्यकताओं के सहयोग और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले लाल बिहारी यादव की दोबारा जीत से पूर्वांचल के शिक्षकों में उत्साह है। उत्तर यादव युवा संघ की ओर से उन्होंने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर सपा नेता सुहेल खां, एडवोकेट हरबिन्दर यादव, ग्राम प्रधान राम नवल यादव, पूर्व प्रधान फौजदार यादव, रामबली यादव, इंद्रजीत यादव सहित अनेक गणमान्य लोग एवं समर्थक उपस्थित रहे।

सूखा प्रभावित परिवारों की मदद के लिए स्नेहा दुबे पंडित ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया चेक



वसई। वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सूखा प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए मानवीय पहल करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और मुख्यमंत्री राहत कोष में आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि सूखा और प्राकृतिक आपदाएं केवल खेती को ही प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका, सपनों और भविष्य पर भी गहरा असर डालती हैं। ऐसे कठिन समय में जरूरतमंद लोगों के साथ खड़ा होना हम सभी का सामाजिक और मानवीय दायित्व है। उन्होंने कहा कि समाज की असली ताकत आपसी सहयोग और एकजुटता में है। जरूरतमंद परिवारों के लिए छोटा-सा योगदान भी उम्मीद की नई किरण बन सकता है। मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया गया यह चेक केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि संकट से जूझ रहे लोगों के प्रति संवेदना, सहयोग और सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आएं, ताकि कोई भी परिवार संकट की घड़ी में खुद को अकेला महसूस न करे। उनका संदेश है कि इंसानियत तभी सार्थक है, जब संवेदना को वास्तविक मदद में बदला जाए।

अशोक नगर चित्रगुप्त परिषद में 57वां भगवान श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न



पटना। कलमजीवियों के आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त की आराधना को समर्पित अशोक नगर चित्रगुप्त परिषद द्वारा आयोजित 57वां भगवान श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव आज अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रातःकाल वैदिक मंत्रोच्चार के बीच परिषद के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिन्हा ने विधि-विधान से भगवान श्री चित्रगुप्त का पूजन-अर्चन कर समस्त समाज के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। पूरे दिन श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भगवान श्री चित्रगुप्त के दर्शन एवं पूजन के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इसके साथ ही परिषद द्वारा आयोजित भव्य सामुदायिक भोज में लगभग तीन हजार श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर सामाजिक समरसता एवं एकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। पूजनोत्सव में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव, मंत्री कुमार शैलेन्द्र, सांसद रविशंकर प्रसाद, विधान परिषद सदस्य संजय प्रकाश मयूख, विधायक संजय गुप्ता, जद(यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद, पूर्व मंत्री मंगल पांडे, वार्ड पार्षद कुमार संजीत बबलू, पिंकी यादव, राधा शर्मा, सुजीत यादव, महेंद्र शर्मा, प्रो. डी. एन. सिन्हा, रमाकांत प्रसाद, गोपाल सिन्हा सहित अनेक सामाजिक, राजनीतिक एवं प्रबुद्ध जनों ने भाग लेकर भगवान श्री चित्रगुप्त का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा परिषद के इस दीर्घकालीन सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन की सराहना की।

पूरे पूजनोत्सव का सफल संचालन परिषद के सचिव मधुप मणि पिक्कू के नेतृत्व में किया गया। परिषद के गोविंद जी, अतुल आनंद सन्नू, भास्कर बिहारी शरण, सौरव जयपुरियार, रंजन श्रीवास्तव, आलिंद वर्मा, अमिताभ, त्रिपुरारी शरण, राकेश वर्मा, अमर कुमार सिन्हा, राजीव रंजन वर्मा, राकेश रौशन बबलू, विपिन बिहारी शरण, प्रमोद शेखर वर्मा, प्रमोद सिन्हा, पंकज प्रकाश, मुकेश प्रसाद, युवा मंच के नवनीत विजय, सौरव कुमार, महिला मंच की अर्चना श्रीवास्तव, पूजा वर्मा सहित सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। अशोक नगर चित्रगुप्त परिषद ने सभी श्रद्धालुओं, अतिथियों, सहयोगियों एवं स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत एवं धार्मिक परंपराओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से परिषद भविष्य में भी इसी प्रकार जनकल्याणकारी एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

जलालपुर पुलिस ने 513 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जलालपुर पुलिस ने छतारी हाईवे अंडरपास के पास से एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से 63 पुड़िया में रखा कुल 513 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रणजीत सिंह उर्फ गप्पू पुत्र स्व. शिवपूजन सिंह निवासी टूसौरी, थाना केराकत, जनपद जौनपुर के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना जलालपुर में मु0अ0सं0 504/26 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ मड़ियाहूं और लाइन बाजार थानों में धोखाधड़ी, आबकारी अधिनियम एवं गुंडागर्दी अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।





बिहार में मकान का नक्शा पास कराने के नए नियम से लोगों में खुशी, निर्माण प्रक्रिया होगी आसान

बांका। बिहार सरकार द्वारा भवन उपविधि-2026 को मंजूरी दिए जाने के बाद लोगों के बीच खुशी का माहौल है। खासकर शहरी क्षेत्र में मकान बनाने की योजना बना रहे लोगों को नए नियमों से राहत मिलने की उम्मीद है। लोगों ने बताया कि मकान का नक्शा पास कराने की प्रक्रिया सरल होने और निर्धारित समय में स्वीकृति मिलने की व्यवस्था से आम लोगों को काफी सहूलियत होगी। अब तक नक्शा स्वीकृति के लिए लोगों को कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था। नए प्रविधानों से समय और परेशानी दोनों कम होने की उम्मीद है। स्थानीय निवासी रजिक राज ने कहा कि नए भवन उपविधि से आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। खासकर मध्यमवर्गीय परिवारों को अपना घर बनाने में होने वाली परेशानियों से निजात मिलेगी। नक्शा पास कराने की प्रक्रिया सरल होने से लोगों का समय और पैसा दोनों बचेंगे। यह सरकार की अच्छी पहल है। सन्ना कुमार ने कहा कि नक्शा पास कराने में अनावश्यक देरी आम लोगों के लिए लंबे समय से बड़ी समस्या बन रही थी। 30 दिनों में निर्णय लेने की व्यवस्था लागू होने से लोगों को बार-बार नगर परिषद कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। इससे सरकारी कामकाज में पारदर्शिता भी बढ़ेगी। मुकेश कुमार ने कहा कि छोटे भूखंड पर मकान बनाने वाले लोगों को नए नियम से विशेष उम्मीद है। कई बार जमीन उपलब्ध रहने के बावजूद भवन निर्माण की प्रक्रिया जटिल होने से लोग परेशान रहते हैं। नए प्रावधानों से ऐसे लोगों को अपना आशियाना बनाने में सहूलियत मिलेगी। वहीं, स्थानीय निवासी आशुतोष मिश्रा ने कहा कि भवन निर्माण के नियमों में स्पष्टता रहने से आम नागरिकों को काफी सहूलियत होगी। स्व-घोषणा आधारित व्यवस्था से छोटे मकान मालिकों को बार-बार कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

इटली में 6 हजार से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी



रोम। यूरोप के कई देशों में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियों ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इटली में बुधवार को 6,000 से अधिक स्कूलों को एक जैसी धमकी भरे ईमेल मिले। इनमें बड़े पैमाने पर 'इटालियंस के नरसंहार' की चेतावनी दी गई थी। धमकी मिलने के बाद 300 से अधिक स्कूलों को खाली कराया गया। पुलिस ने स्कूल परिसरों की तलाशी ली और छात्रों व शिक्षकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। धमकी भरे ईमेल में दावा किया गया था कि स्कूल की इमारत के अंदर रिमोट डिटोनेटर से लैस शक्तिशाली विस्फोटक रखा गया है। ईमेल भेजने वाले ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की कार के इंजन में भी बम लगाए जाने का दावा किया। हालांकि, इन दावों की पुष्टि नहीं हुई है। सरकारी सूत्र के मुताबिक, ईमेल भेजने वाले ने अपनी पहचान 'मिखाइल एंड्रोपोव, विलायत ऑफ मिसोजिनिस्तान का नेता' बताई थी। इटली के शिक्षा मंत्री ग्यूसेप वाल्डिटारा ने टीवी चैनलLa7 से बातचीत में बताया कि कम से कम 300 स्कूलों को धमकी संबंधी अलर्ट मिले हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यह संख्या और बढ़ सकती है। धमकी का असर राजधानी रोम से लेकर उत्तरी क्षेत्र फ्रिउली और दक्षिणी क्षेत्र बेसिलिकाटा तक देखने को मिला। स्कूलों में अलर्ट जारी होने के बाद छात्रों और शिक्षकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। पुलिस ने विस्फोटकों की तलाश में स्कूल परिसरों की जांच की। रोम के एक स्कूल ने अभिभावकों को सूचना दी कि सभी छात्रों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है और शिक्षक उनकी निगरानी कर रहे हैं। वहीं, राजधानी के एक हाईस्कूल में छात्र शुरूआत में निकासी के अलार्म को छुट्टी की घंटी समझ बैठे। उन्हें इमारत से बाहर निकलने के बाद बम की धमकी के बारे में जानकारी मिली। 18 वर्षीय छात्रा अनिता बाटोर्ची ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि छात्रों को बताया गया कि रूसी हैकरों की ओर से ईमेल आया है, जिसमें सभी को मारने की धमकी दी गई है। यह संदेश काफी हिंसक था। धमकी भरे संदेश केवल इटली तक सीमित नहीं रहे। आयरलैंड, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड के सैकड़ों स्कूलों को भी इसी तरह के ईमेल मिले। हालांकि, इन देशों में स्कूलों को खाली कराने की नौबत नहीं आई। उत्तरी आयरलैंड की पुलिस ने बताया कि सैकड़ों स्कूलों को ईमेल भेजे जाने के बाद मामले की तत्काल जांच की जा रही है। स्कॉटलैंड पुलिस ने इन संदेशों को फर्जी धमकी मानते हुए कहा कि स्कूलों को खाली कराने की सलाह नहीं दी गई है। पुलिस के आकलन में फिलहाल ये संदेश विश्वसनीय खतरा नहीं हैं। आयरिश पुलिस ने भी कई शिक्षण संस्थानों को भेजे गए एक सामान्य धमकी भरे संदेश की जानकारी होने की पुष्टि की। इटली में यह पहली घटना नहीं है। 2 नवंबर को भी 270 से अधिक स्कूलों को इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले थे। इनमें रोम के कई शिक्षण संस्थान शामिल थे। उस समय भी स्कूल खाली कराए गए थे और सुरक्षा जांच की गई थी।

संदिग्ध शराब पीने से 3 चचेरे भाइयों की मौत, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में बुधवार को भैया दूज के दिन संदिग्ध शराब पीने से तीन चचेरे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। परिजनों ने आरोप लगाया है कि तीनों ने एक्सपायरी और मिलावटी शराब का सेवन किया था। हालांकि, शराब में मिलावट या किसी जहरीले पदार्थ की मौजूदगी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना जिले के निधौली कलां थाना क्षेत्र के किशोरपुर गांव की है। बुधवार को अजीत (18), जीतू (21) और शिव कुमार (19) गांव के बाहर एक सबमर्सिबल पंप के पास बैठकर शराब पी रहे थे। परिजनों ने बताया कि शराब पीने के कुछ देर बाद तीनों मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे कुछ दूरी पर मोटरसाइकिल समेत सड़क पर गिर पड़े। ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) इलामारन जी ने बताया कि उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और ग्रामीणों तथा परिजनों से जानकारी ली है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीनों ने गांव के बाहर एक स्थान पर साथ बैठकर शराब पी थी। उस समय उनके साथ कोई अन्य व्यक्ति मौजूद नहीं था। उन्होंने कहा, "अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने शराब में कुछ मिलाकर पी थी, अधिक मात्रा में शराब का सेवन किया था या शराब में पहले से कोई मिलावट थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।" एसएसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तीनों ने दुकान से ही शराब खरीदी थी। प्रथम दृष्टया यह घटना शराब के सेवन के बाद हुई है और पुलिस सभी पहलुओं से इसकी जांच कर रही है।

राजस्थानी समाज की प्रतिष्ठित संस्थाओं का दीपावली स्नेह सम्मेलन संपन्न



मुंबई(उत्तरशक्ति)। लक्षधाम हाईस्कूल हॉल, गोकुलधाम, गोरेगांव पूर्व में सम्पन्न हुआ। बहुत बड़ी संख्या में लोग उपस्थिति रहे। सम्मेलन में देवकीनंदन जिंदल, सुरेश भगेरिया, डॉ. श्याम अग्रवाल, डॉ अनील काशी मुरारका , रमाकांत टिबडेवाला , जगदीश गुप्ता , राज दीदी, श्यामसुंदर पंसारी, जयकुमार गुप्ता, अनिल कैंया, रमन अग्रवाल, बंकेश अग्रवाल, कृष्णकुमार झुनझुनवाला, अनिल पाटोदिया, डालचंद गुप्ता, विजय केडिया, विरेन्द्र याज्ञनिक, प्रदीप पंसारी, सज्जन गोयनका, डॉ. राहुल मोदी, डॉ.रोहित मोदी, डॉ. राजेश हिम्मतरामका,श्रीराम शर्मा, सुनील गोयल, लालचंद चौधरी, मधु महेश्वरी, मनोज सिंगडोदिया, उमेश मोदी, प्रदीप बंका, हरिप्रसाद अग्रवाल, दीनबंधु जालान,विष्णु मुरारका, श्रीकांत अग्रवाल, रामस्वरूप अग्रवाल, स्वदेश खेतावत, प्रवीण मुकीम, रमेश मोदी, प्रकाश रूईया, रवी खेतान, प्रकाश झुनझुनवाला, एवं बडी संख्या में समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुंबई में यह एक मात्र ऐसा दीपावली सम्मेलन रहा, जिसमें मुंबई में रहते हुए लोग कई वर्षो बाद सम्मेलन में मिले। राजस्थानी मंडल गोकुलधाम यशोधाम द्वारा सबका सम्मान किया गया। संस्थापक एवं मानद सचिव राजेन्द्र तुलस्यान ने आगन्तुको का आभार वक्त करते हुए दीपावली एवं आगामी वर्ष आपके परिवार, व्यवसाय एवं उधोग के लिए सुख समृद्धिदायक होने की शुभकामना दी।

बृजेश सिंह ने रघुकुल में परिवार के साथ मनाया दीपावली



-राजहंस सिंह

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी के पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह ने धर्मपत्नी एमएलसी अन्नपूर्णा सिंह व अपने दोनों पुत्रों सिद्धार्थ सिंह और सागर सिंह के साथ सिगरा स्थित अपने निवास रघुकुल निवास पर बड़े ही धूमधाम से दीपावली मनाया। इस मौके पर उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को दीपावली की बधाई देते हुए सभी के कल्याण की बाबा विश्वनाथ, मां लक्ष्मी से प्रार्थना की।

ईजीएन कनेक्टएक्स 2026 को मुंबई में मिला भारी प्रतिसाद



मुंबई। शिक्षा क्षेत्र के अग्रणी मंच 'ईजीएन इंडिया' द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शैक्षणिक प्रदर्शनी और सम्मेलन ईजीएन कनेक्टएक्स 2026 को मुंबई के गोरेगांव स्थित नेस्को बॉम्बे एक्ज़िबिशन सेंटर में सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस महाकुंभ में शिक्षा जगत से जुड़े 10,000 से अधिक आगंतुकों ने हिस्सा लिया, जबकि 125 से अधिक कंपनियों ने अपने अत्याधुनिक उत्पादों, शैक्षणिक तकनीकों और बुनियादी ढांचे के समाधानों का प्रदर्शन किया। इस दो दिवसीय आयोजन में शैक्षणिक संस्थानों के मालिक, ट्रस्टी, प्राचार्य, विश्वविद्यालयों के प्रमुख, शिक्षक, काउंसलर, प्रकाशक, एडटेक कंपनियां और डिस्ट्रीब्यूटर्स एक ही मंच पर एकत्र हुए। प्रदर्शनी में प्रारंभिक बाल शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा, कोचिंग और कौशल विकास क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को 'स्टडी एन लर्न', 'फ्लेक्स्ट्रा', 'क्रेडिला', 'डी2एल', 'अपग्रैड एसओटी', 'अजिवासन म्यूज़िक एंड डांस अकादमी', 'एड्यू एडटेक फर्निचर्स', 'स्टेमपेडिया' और 'ओसवाल पब्लिकेशन्स' जैसी प्रमुख कंपनियों के साथ सीधे संवाद और व्यावसायिक साझेदारी तलाशने का अवसर मिला। सम्मेलन के दौरान 'द एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल स्कूल्स ऑफ इंडिया' (टायसी) के सहयोग से इंटरनेशनल स्कूल्स लीडरशिप समिट का आयोजन किया गया। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), डिजिटल बदलाव, कौशल-आधारित शिक्षा और रोजगार क्षमता जैसे ज्वलंत विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इसके अतिरिक्त, 1500 शिक्षकों के लिए आयोजित विशेष कार्यशालाओं में उन्हें कक्षा में उपयोग की जाने वाली आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शैक्षणिक संस्थानों और नेतृत्वकताओं को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए ईजीएन इंडिया की उपाध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉली सिंह ने कहा, कनेक्टएक्स में शिक्षा क्षेत्र से जुड़े 10,000 प्रतिनिधि सिर्फ चर्चा सुनने नहीं, बल्कि अपनी व्यावहारिक समस्याओं और सवालों के समाधान तलाशने आए थे। 1,500 शिक्षकों की कार्यशालाओं में सक्रिय भागीदारी और संस्थापकों का समाधान प्रदाताओं से सीधा संवाद इस बात का प्रमाण है कि भारतीय शिक्षा क्षेत्र अब केवल सिद्धांतों तक सीमित न रहकर नए विचारों को हकीकत में बदलने के लिए पूरी तरह तैयार है।

ट्रंप की पहल रंग लाई, रूस-यूक्रेन के बीच सबसे बड़े समझौते की तैयारी, अबू धाबी में कैदियों की अदला-बदली पर बनी सहमति

यूक्रेन। अमेरिका की मध्यस्थता में अबू धाबी में रूस और यूक्रेन के बीच दो दिन तक चली बातचीत बुधवार को समाप्त हो गई। इस दौरान दोनों देशों ने युद्धबंदियों की अब तक की सबसे बड़ी अदला-बदली करने पर सहमति जताई। हालांकि, इसमें शामिल कैदियों की अंतिम संख्या बृहस्पतिवार को तय की जाएगी।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर ने वार्ता समाप्त होने के बाद कहा कि बातचीत का एक सकारात्मक नतीजा यह रहा कि दोनों पक्ष कैदियों की सबसे बड़ी मानवीय रिहाई के लिए सहमत हुए हैं। रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख व्लादिमीर मेडिंस्की और यूक्रेन की ओर से वार्ता का नेतृत्व कर रहे रुस्तेम उमेरोव ने भी इस सहमति की पुष्टि की।

रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के बीच करीब नौ महीने बाद यह पहली सीधी बैठक थी। इससे पहले दोनों देशों के बीच फरवरी में जिनेवा में बातचीत हुई थी। हालांकि, इस बार भी युद्ध समाप्त करने को लेकर किसी बड़े समझौते की उम्मीद कम थी। करीब पांच साल से जारी युद्ध के दौरान दोनों देश समय-समय पर युद्धबंदियों की अदला-बदली करते रहे हैं। इस बार बातचीत में कैदियों की रिहाई के अलावा यूक्रेन के हिरासत में लिए गए नागरिकों की वापसी और रूस ले जाए गए।

कुशनर ने बताया कि वह और अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ बृहस्पतिवार को मॉस्को जाएंगे, जहां



उनकी मुलाकात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होगी। इसके बाद वे डबलिन जाकर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलेंगे। अमेरिका इन बैठकों के जरिए अपनी शांति पहल को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अबू धाबी की बातचीत को बेहद उपयोगी बताया, लेकिन साथ ही कहा कि युद्ध रोकने की दिशा में किसी ठोस सफलता तक पहुंचने में समय लगेगा।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने मंगलवार की बैठक को रचनात्मक और काफी सार्थक बताया था। उनके अनुसार, बातचीत में मानवीय मुद्दों के साथ यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी पर भी चर्चा हुई। हालांकि, रूस और यूक्रेन ने अपनी प्रमुख मांगों पर समझौता करने की कोई इच्छा नहीं दिखाई है। यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को यूरोपीय अधिकारियों से भी मिलने वाला था। यूरोपीय देशों, यूरोपीय संघ और नाटो के प्रतिनिधि अबू धाबी में मौजूद थे और यूक्रेनी पक्ष के साथ विचार-विमर्श कर रहे थे। रूस हालांकि प्रत्यक्ष वार्ता में यूरोपीय देशों की भागीदारी का विरोध करता रहा है। शांति वार्ता के बीच दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष थमा नहीं है। रूस और यूक्रेन लंबी दूरी की मिसाइलों और ड्रोन से एक-दूसरे को निशाना बना रहे हैं।

इस साल मोर्चे पर जमीन के कब्जे में बहुत बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन हमलों की तीव्रता बनी हुई है। रूस ने रातभर में यूक्रेन के जापोरिज्जिया क्षेत्र और पूर्वी शहर खारकीव पर हमले किए। इन हमलों में सात नागरिक घायल हुए और संपत्ति को नुकसान पहुंचा। दूसरी ओर, रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने रातभर में यूक्रेन के 627 ड्रोन मार गिराए। इनमें से 150 ड्रोन सेंट पीटर्सबर्ग के आसपास के क्षेत्र में नष्ट किए गए। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर द्रोज्देंको के अनुसार, ड्रोन हमले के कारण रूस के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र उस्त-लुगा बंदरगाह पर आग लग गई और तीन कर्मचारी घायल हो गए। अबू धाबी में हुई बातचीत से युद्धबंदियों की रिहाई का रास्ता जरूर खुला है, लेकिन युद्ध समाप्त करने की दिशा में अब भी कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है।

विश्व आयुर्वेद परिषद के जिला अध्यक्ष बने डॉ. कुमावत

आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार एवं संगठनात्मक गतिविधियों को मिलेगी नई गति, चिकित्सक साथियों एवं शुभचिंतकों ने दी बधाई



उदयपुरवाटी/झुंझुनूं। विश्व आयुर्वेद परिषद, राजस्थान ने संगठनात्मक विस्तार एवं आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार को प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राजकीय आयुर्वेद औषधालय ढहरियान बावड़ी-उदयपुरवाटी के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमावत चिराना को झुंझुनूं जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है।

परिषद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राकेश कुमार शर्मा ने कार्यालय जयपुर से नियुक्ति पत्र प्रेषित कर झुंझुनूं जिले की जिम्मेदारी सौंपी है। डॉ कुमावत के अनुभव एवं अच्छे विचारों को देखकर उन से अपेक्षा की गई है कि वे जिले में संगठन को मजबूत बनाने, आयुर्वेद संबंधी गतिविधियों को गति देने तथा परिषद के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

जिला अध्यक्ष का दायित्व मिलने के बाद डॉ. कुमावत शीघ्र ही जिले में एक सक्रिय एवं समर्पित जिला कार्यकारिणी गठित कर उसके पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सूची प्रदेश अध्यक्ष को प्रेषित करने की बात कही है।

डॉ. कुमावत की नियुक्ति का समाचार मिलने पर जिले के आयुर्वेद चिकित्सक साथियों, परिचितों, मित्रों एवं शुभचिंतकों में प्रसन्नता का माहौल रहा। अनेक चिकित्सकों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें दूरभाष एवं संदेशों के माध्यम से बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं प्रेषित की। डॉ. कुमावत ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए विश्व आयुर्वेद परिषद के प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

आईसीआईसीआई लाइफ गारंटीशुदा इंडेक्स्ड पेंशन प्लान हुआ लॉन्च

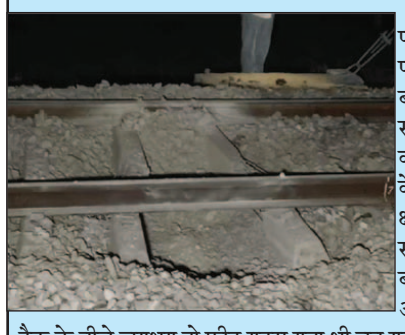
मुंबई। आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड ने आईसीआईसीआई लाइफ गारंटीशुदा इंडेक्स्ड पेंशन लॉन्च किया है। यह सेवानिवृत्ति आय से जुड़ा उत्पाद है, जो ग्राहकों को गारंटीशुदा एन्युटी और वेरिएबल एन्युटी का मिश्रण प्रदान करता है। इस सुविधा के तहत गारंटीशुदा आय वाला हिस्सा ग्राहकों को आय में स्थिरता प्रदान करता है, वहीं वेरिएबल वाला हिस्सा इंडेक्स से जुड़ी आय के जरिए उन्हें महंगाई से बचाने में मदद करता है। इस उत्पाद की मुख्य खूबी यह है कि इसमें ग्राहक 60% से 100% तक का हिस्सा गारंटीशुदा एन्युटी के रूप में चुन सकते हैं। शेष हिस्सा निफ्टी 50 टोटल रिटर्न इंडेक्स से जुड़ा होता है, जिससे ग्राहक बाजार में भागीदारी कर अपने सेवानिवृत्ति के वृद्धावस्था में आय बढ़ने की संभावना का लाभ उठा सकते हैं। आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य उत्पाद अधिकारी, विकास गुप्ता ने इस लॉन्च के संबंध में अपनी टिप्पणी में कहा, लोगों की जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है, ऐसे में उन्हें लंबी सेवानिवृत्ति अवधि के लिए योजना बनाने की जरूरत है। बढ़ते खर्चों और बदलती वित्तीय प्राथमिकताओं को देखते हुए, ऐसे सेवानिवृत्ति समाधान होना बहुत जरूरी है जो स्थिरता भी प्रदान करें और साथ ही बाजार से जुड़ी आय में वृद्धि की संभावना भी प्रदान करें। 'आईसीआईसीआई लाइफ गारंटीड इंडेक्स्ड पेंशन' के साथ, ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार गारंटीशुदा आय का स्तर चुन सकते हैं और साथ ही बाजार के प्रदर्शन से लाभ उठाने का अवसर भी हासिल कर सकते हैं। इस लचीलेपन से उन्हें सही फैसले लेने और अधिक आत्मविश्वास तथा वित्तीय सुरक्षा के साथ अपने सेवानिवृत्ति के वर्षों की योजना बनाने में मदद मिलेगी। यह उत्पाद सिंगल-लाइफ (एक व्यक्ति के लिए) और जॉइंट-लाइफ (दो व्यक्तियों के लिए) का विकल्प प्रदान करता है, जिसमें खरीद मूल्य की वापसी भी शामिल है। यदि एन्युटी लेने वाले व्यक्ति (या अंतिम जीवित व्यक्ति) की दुर्भाग्यवश मृत्यु हो जाती है, तो नॉमिनी को कुल चुकाए गए प्रीमियम के बराबर मृत्यु लाभ वापस कर दिया जाएगा।

बढ़ता वायु प्रदूषण बना गंभीर खतरा, सेहत विभाग ने जारी की एडवाइजरी



फरीदकोट(चावला)। मौसम में बदलाव और हवा में लगातार बढ़ते प्रदूषित धुएं के कारण वातावरण गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। इसका बुरा असर न केवल इंसानों और जानवरों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, बल्कि धुएं के कारण होने वाले सड़क हादसों में हर साल सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। जहरीली हवा और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए ऐसे माहौल में घरों से बाहर निकलना भी दुश्वार हो गया है। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सेहत विभाग फरीदकोट ने सिविल सर्जन डॉ. रमनदीप सिंगला और जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. हिमांशु गुप्ता की अगुवाई में प्रदूषण के दुष्प्रभावों और उससे बचाव से संबंधित एक विशेष एडवाइजरी जारी की है। डॉ. हिमांशु गुप्ता ने बताया कि प्रदूषित वातावरण से सिरदर्द, चक्कर आना, आंखों में जलन, खांसी, त्वचा संबंधी समस्याएं, सांस लेने में तकलीफ, दिल का दौरा और फेफड़ों के कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए पराली, सूखे पत्ते और कूड़ा-कचरा न जलाने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की गई है। एडवाइजरी के अनुसार, बाहर निकलने से पहले एयर क्वालिटी इंडेक्स की जांच करें और धुआं या धुंध होने पर सुबह-शाम की सैर से बचें। घर के खिड़की-दरवाजे बंद रखें, भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें और धूम्रपान न करें। निजी वाहनों के बजाय पैदल चलने, साइकिल या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने की सलाह दी गई है। इस दौरान डिप्टी मास मीडिया अधिकारी सुधीर धीर और डॉ. प्रभदीप सिंह चावला ने समाज से पर्यावरण संरक्षण में आगे आने का आह्वान किया। मौके पर सेहत विभाग के कई अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ट्रेन गुजरने के 45 मिनट बाद पटरी पर हुआ विस्फोट, कंक्रीट के खंभे और स्लीपर क्षतिग्रस्त, ट्रेनें रद्द



श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में, भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक विस्फोट से रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचा है। इसके चलते अधिकारियों ने अनूपगढ़ और सूरतगढ़ के बीच ट्रेन सेवाओं को रद्द कर दिया है। यह विस्फोट अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे ट्रैक पर '50 GB' पॉइंट के पास हुआ, जिससे ट्रैक को सहारा देने वाले कंक्रीट के दो खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। विस्फोट के कारण अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे ट्रैक पर कुछ स्लीपर भी क्षतिग्रस्त हो गए। यह विस्फोट रात करीब 9 बजे अनूपगढ़ से सूरतगढ़ जा रही एक ट्रेन के वहां से गुजरने के लगभग 45 मिनट बाद हुआ। विस्फोट काफी जोरदार था।बताया जा रहा है कि इसकी आवाज 200 मीटर दूर तक सुनाई दी। धमाके की वजह से रेलवे ट्रैक के नीचे लगभग दो फीट गहरा गड्ढा भी बन गया। घटना के बाद, एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड, क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट , डॉग स्क्वॉड, सुरक्षा एजेंसियों और रेलवे की टीमें जांच के लिए मौके पर पहुंचीं। सुरक्षाकर्मियों की एक टीम रात करीब 2 बजे घटनास्थल पर पहुंची। एहतियात के तौर पर, अनूपगढ़ और सूरतगढ़ के बीच ट्रेन सेवाओं को सुबह 9 बजे तक के लिए रोक दिया गया है। घटना के बारे में बात करते हुए श्रीगंगानगर के रढ हरिशंकर ने कहा, अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे लाइन पर 50 GB गांव के पास एक संदिग्ध विस्फोट में रेलवे ट्रैक को सहारा देने वाले सीमेंट के दो खंभे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सबूतों की जांच के लिए FSL (फोरेंसिक साइंस लैब) की टीम को मौके पर बुलाया जा रहा है। अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि घटना किस तरह की है। हाल ही में सीमावर्ती इलाके में मिले 7.5 किलो RDX से इसका कोई सीधा संबंध अभी तक सामने नहीं आया है।

आतंकी हमले में गंभीर जवान को एयरलिफ्ट कर श्रीनगर भेजा

श्रीनगर। आज जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद कुलगाम सहित आस-पास के इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। आतंकियों ने सीआरपीएफ की नाका पार्टी पर फायरिंग की और इसमें 3 जवान घायल हो गए। मिली ताजा जानकारी के अनुसार 3 में से 2 दो जवानों की हालत स्थिर बताई जा रही है, जबकि एक जवान पश्चिम बंगाल के संतोष चंद्र, गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर-के श्रीनगर के 92 बेस अस्पताल ले जाया गया है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों का पता लगाने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

जीवन बीमा कंपनियों का नया प्रीमियम अक्टूबर में 26% बढ़कर रु. 42,914 करोड़

नई दिल्ली। जीवन बीमा कंपनियों ने अक्टूबर में नए कारोबार के प्रीमियम (एनबीपी) में 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसकी वजह एकमुश्त और गैर-एकमुश्त प्रीमियम वाली पॉलिसियों, दोनों की अधिक बिक्री रही। जीवन बीमा परिषद की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल अक्टूबर में नया कारोबार बढ़कर 42,914 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 34,007 करोड़ रुपए था। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अक्टूबर में नए प्रीमियम के रूप में 25,316 करोड़ रुपए जुटाए, जबकि अक्टूबर 2025 में यह राशि 19,274 करोड़ रुपए थी। इस तरह इसमें 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, निजी क्षेत्र की 26 बीमा कंपनियों ने 17,599 करोड़ रुपए जुटाए जबकि पिछले साल अक्टूबर में यह राशि 14,733 करोड़ रुपए थी। यह 20 प्रतिशत की वृद्धि है।

शिपरॉकेट का दुसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन

मुंबई। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए भारत के अग्रणी ई-कॉमर्स इनेबलमेंट प्लेटफॉर्म शिपरॉकेट ने 30 सितंबर 2026 को समाप्त दूसरी तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने रुपये 6,736 मिलियन के परिचालन राजस्व के साथ मजबूत प्रदर्शन किया है, जो सालाना आधार पर 35% की वृद्धि दशार्ता है। कंपनी ने घाटे से उबरते हुए ?6 मिलियन का कर पश्चात लाभ कमाया है। कंपनी की इस मजबूत वृद्धि को इसके कोर और इमर्जिंग बिजनेस दोनों से समर्थन मिला है। कोर बिजनेस का राजस्व 25% बढ़कर ?4,615 मिलियन रहा, जबकि इमर्जिंग बिजनेस 61% बढ़कर ?2,122 मिलियन पर पहुंच गया। क्विक-कॉमर्स डार्क स्टोर्स की त्वरित री-स्टॉकिंग के कारण ओम्नीचैनल सेगमेंट में 79% की ग्रोथ दर्ज की गई, जबकि मारटेक सेगमेंट में 102% का इजाफा देखा गया। परिणामों पर बात करते हुए शिपरॉकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ साहिल गोयल ने कहा, आज भारत में ई-कॉमर्स का दायरा तेजी से फैल रहा है। एक छोटा विक्रेता अपनी वेबसाइट, सोशल मीडिया, क्विक-कॉमर्स और अब एआई सर्च के माध्यम से बिक्री कर रहा है। शिपरॉकेट एक ऐसा एकीकृत टेक इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहा है, जिससे भारत का हर एमएमएमई देश के सबसे बड़े ब्रांड्स की तरह एक ही डैशबोर्ड से आसानी से व्यापार कर सके। 35% की राजस्व वृद्धि और पॉजिटिव ऑपरेटिंग कैश फ्लो यह साबित करता है कि हमारा बिजनेस मॉडल बेहद मजबूत है। वित्तीय स्थिति पर शिपरॉकेट के सीएफओ तन्मय कुमार ने कहा, ?तीन प्रमुख कारणों से इस तिमाही में हमारा पैट पॉजिटिव हुआ है—कोर बिजनेस में 31% की ट्रांजैक्शन ग्रोथ, मारटेक एवं ओम्नीचैनल सेगमेंट का बेहतरीन प्रदर्शन और पूरी तरह कर्ज-मुक्त बैलेंस शीट। आईपीओ से मिले फंड्स के जरिए हमने अपना सारा कर्ज चुका दिया है, जिससे फाइनेंस कॉस्ट में भारी कमी आई है। तकनीकी नवाचार के मामले में शिपरॉकेट ने इस तिमाही में कई एआई-नेटिव फीचर्स लॉन्च किए हैं, जिनमें डी2सी ब्रांड्स के लिए एटलस (एआई सर्च ट्रैकर), फास्टर (Fastrr) चेकआउट में नए कन्वर्जन टूल्स और एआई-आधारित शिपिंग एनालिटिक्स डैशबोर्ड शामिल हैं। प्लेटफॉर्म वर्तमान में हर महीने 14 अरब से अधिक एपीआई रिक्वेस्ट हैंडल कर रहा है।